ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष -अमावस्या, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 351 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
06 जून 2024 गुरुवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

आज का मौसम
39 अधिकतम
28 न्यूनतम

- आज व कल का दिन बेहद महत्वपूर्ण
- भाजपा सांसदों को दिल्ली में मौजूद रहने के निर्देश
- मुख्यमंत्री यादव भी दिल्ली रवाना

दिल्ली में सियासी सरगर्मी बढ़ी, बैठकों का दौर, नीतीश ने डाला डेरा

केन्द्र की खिचड़ी सरकार लेगी आकार, हर चौथे सांसद को मंत्री बनाने का फार्मूला!

नई दिल्ली दोपहर मेट्रो/एजेंसी।

लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद अब एनडीए की तीसरी बार सरकार के गठन की तैयारियां दिल्ली में चल रही हैं। आठ जून को शपथ तय मानी जा रही है। मगर भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने के कारण एनडीए के अलग-अलग सहयोगियों की मांगें बढती जा रही हैं।इनमें जदयू,टीडीपी और पासवान की पार्टी ज्यादा मंत्री पदों की तलबगार है। आलम यह है कि इस बार हर चौथा सांसद मंत्री बनाया जा सकता है। सूत्रों का दावा है कि नीतीश कुमार ने शपथ ग्रहण तक दिल्ली में ही डेरा डालने का फैसला कर लिया है। उन्होंने मंत्री पद को लेकर एक फॉर्मूला रखा है।इसमें 4 सांसदों पर एक मंत्री पद दिये जाने का प्रस्ताव है। इस हिसाब से उनके ही 12 सांसद हैं, इसलिए उन्हें कैबिनेट में 3 मंत्री पद मिलेंगे। बिहार के सीएम अब एनडीए नेताओं के साथ दावा पेश करने राष्ट्रपति भवन भी आज जा सकते हैं। इस बीच नीतीश आज जेडीयू के नवनिर्वाचित सांसदों के साथ बैठक भी करने वाले हैं हालांकि स्पीकर पद को लेकर जेडीयू ने साफ कर दिया है कि यह बाद चाहे तो भाजपा अपने पास रखे।

आज चुनाव आयोग सौंपेगा लिस्ट, तब मिलेगा सरकार बनाने का न्योता

लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद नई सरकार के गठन की तैयारियां भले ही चल रही हैं लेकिन 18वीं लोकसभा के गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के क्रम में आज मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू नवनिर्वाचित सांसदों की सूची लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करने वाले हैं। इस सूची के बाद ही राष्ट्रपति सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी। इससे पहले कल मोदी कैबिनेट की आखिरी बैठक और फिर एनडीए घटक दलों की बैठक हुई है। मोदी को सर्वसम्मति से नेता चुना जा चुका है। हालांकि वे कल शाम राष्ट्रपति भवन जाकर अपना इस्तीफा सौंप चुके हैं और नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक पीएम हैं। कल भाजपा और एनडीए घटक दलों की फिर बैठक है। मप्र समेत सभी भाजपा सांसदों को दिल्ली में रहने को कहा गया है।

इंडिया गठबंधन की खामोशी से खलबली

खास बात यहं है कि भाजपा एनडीए की तेजी के बीच इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच बैठकों का दौर जारी है। इंडिया ने जाहिर तौर पर तो बताया है कि वह हालात पर नजर रखेंगे और अभी सरकार बनाने की कोशिश नहीं करेंगे। लेकिन आप नेता संजय सिंह ने फिर संकेत दिए कि विपक्षी अभी सरकार बनाने की कवायद में जुटा है। उन्होंने कहा, पर्दे के पीछे सभी पक्षों से सम्पर्क साधने की कोशिश की जा रही है, जिसके बारे में खुलकर नहीं बताया जा सकता है।

शिवराज की नई भूमिका पर चर्चा

जानकार सूत्रों का कहना है कि मप्र के पूर्व मुखयमंत्री शिवराज सिंह चौहान की भूमिका पर भी मंथन का दौर चल रहा है।उन्हें दिल्ली भी बुलाया गया है। शिवराज को केंद्रीय मंत्रिमंडल में रखा जाने की तैयारी है लेकिन उन्हें संगठन में भी बडा दायित्व देने का विचार सामने आया है। शिवराज के अलावा केंद्र में मप्र के सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत चार सांसदो की प्रभावी भूमिका के आसार हैं। उधर कांग्रेस के कुछ नेताओं ने भी 'सियासी शरारत' के तौर पर मोदी के बजाए शिवराज या नितिन गडकरी को पीएम बनाने का सुझाव पेश कर दिया है।

अभियान

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए आरंभ जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत भोपाल के छोटे तालाब की स्वच्छता के लिए सुबह श्रमदान किया।

शाह को मिल सकता है नया काम, अध्यक्ष बनेंगे!

जब तक केंद्र में मोदी 3.0 सरकार अपना आकार नहीं ले पाती, तब तक कई किस्म के विचार और जोडतोड चल ही है। सरकार बनाने के लिये फिक्रमंद भाजपा में संगठन को भी नये सिरे से कसने की तैयारी व मंथन चल पडा है। ऐसे में अमित शाह की केंद्रीय मंत्री बतौर भूमिका को लेकर भी सस्पेंस पैदा हो रहा है। खबरों के मुताबिक चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने वाले शाह एक बार फिर संगठन बड़ी भूमिका में लौट सकते हैं। दरअसल अक्टूबर-नवंबर में देश के तीन बड़े राज्य महाराष्ट्र,हरियाणा,झारखंड में विधानसभा चुनाव हैं। लिहाजा संगठन को मजबूत बनाने के लिए वे फिर अध्यक्ष वाली पुरानी भूमिका में दिख सकते हैं। मौजूदा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा एक्टेंशन पर चल रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट का दावा है कि गृह विभाग की जिम्मेदारी किस दूसरे नेता को दी जा सकती है। गुजरात में भी भाजपा बड़ा बदलाव कर सकती है। क्योंकि पिछले 10 साल में पहली बार गुजरात में भी कांग्रेस ने सेंध लगाई है।

पहली बार रसोइयों और पानी देने वाले कर्मियों को पदोन्नति

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ के 85 साल के इतिहास में पहली बार कुछ बदलाव हुआ है। यहां कुल 2,600 रसोइयों और पानी देने वाले कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पास दो विशेष कैडरों के लिए कुल 12,250 कर्मचारी नियुक्त हैं। यह कर्मचारी 1939 में गठित लगभग 3.25 लाख पुरुष और महिला शक्ति बल के लिए रसोई, कैंटीन और इसी तरह के प्रशासनिक कार्यों को संभालते हैं।

मुंबई में सिलेंडर ब्लास्ट से 10 की मौत, नौ घायल

नई दिल्ली। आज सुबह एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। जिससे 9 लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। वहीं कुछ दिनों पहले हुए डोंबिवली फैक्ट्री विस्फोट में मरे 10 में से 4 शवों की शिनाख्त की जा चुकी है। इस हादसे में 60 से अधिक लोग घायल हुए थे। मुंबई के चेंबूर इलाके में सुबह तकरीबन 7.30 बजे एक जोरदार ब्लास्ट हुआ। आस-पास के लोगों ने बाहर निकलकर देखा तो एक घर से आग और धुआं नजर आ रहा था। चेंबूर में से सीजी गिडवानी मार्ग पर स्थित एक मंजिला मकान में एक एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट हुआ था। इसके बाद वहां आग लग गई। यही नहीं इस ब्लास्ट से इमारत भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस ब्लास्ट से 9 लोग बुरी तरह घायल हुए थे। जिसमें 2 नाबालिग हैं।

आज का कार्टून

साभार: माधव जोशी

मौसम के तेवर कहीं नरम कहीं गरम

अभी 4-5 दिन और तपाएगी गर्मी-लू

नई दिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश के पूर्वी हिस्से, उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्यप्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में अगले पांच दिनों तक लू की स्थिति जारी रह सकती है। जबकि ओडिशा में भीषण गर्मी के चलते अब तक 36 लोगों की जान जा चुकी है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के साथ बारिश हो रही है। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई है। प्रचंड गर्मी के बाद उत्तर पश्चिम भारत में कुछ स्थानों पर अब अगले दो दिन आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना है। कहीं जोरदार बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बीते 24 घंटे के दौरान राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश के कई इलाकों में गर्म हवाएं चलीं।

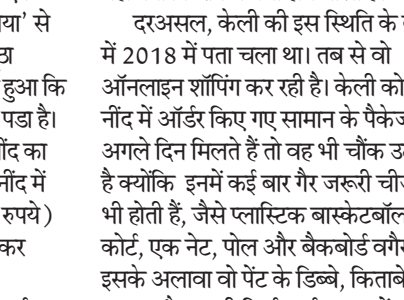

मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में धूल भरी आंधी चली। इस दौरान उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों और निकटवर्ती मध्य भारत के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान 43-46 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2-4 डिग्री अधिक था।

उधर उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तमिलनाडु और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर भारी तो कुछ पर बहुत भारी बारिश हुई। पूर्वोत्तर के राज्यों असम, मेघायल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर मूसलाधार बारिश हुई। तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और मध्य महाराष्ट्र में भी कहीं-कहीं वर्षा दर्ज की गई। वहीं, उत्तराखंड और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कई जगहों पर ओलावृष्टि हुई।

फिर ब्लास्ट हुआ एसी बिल्डिंग में आग

नोएडा। गर्मी के मौसम में एसी फटने और उसकी वजह से घरों में आग लगने की कई घटनाओं सामने आ रही हैं। गाजियाबाद के पॉश इलाके में भी एसी फटने की खबर है, जहां एसी में धमााके के बाद घर की पहली और दूसरी मंजिल तक आग की लपटें पहुंच गईं। मौके पर पहुंची दमकल की कई गाड़ियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। आग वसुंधरा के सेक्टर-1 में सोसायटी के घर में लगी। दमकल की टीम ने सुरक्षा के लिहाज से एलपीजी कनेक्शन भी काट दिया गया. इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

बर्ड फ्लू से हुई दुनिया में पहली मौत, भारत के 4 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। कोरोना से भी खतरनाक माना जा रहा एच5एन1 वायरस (एवियन इन्फ्लूएंजा) कई देशों में तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। हालिया रिपोर्ट्स में अमेरिका के कई शहरों में इसके गायों और दूध के माध्यम से भी इंसानों में फैलने के मामले सामने आए थे। इसी महीने की शुरुआत में भारत में भी एच5एन1 वायरस के मामले बढने को लेकर अलर्ट किया गया था। एच5एन1 वायरस को बर्ड फ्लू के नाम से भी जाना जाता है। केंद्र सरकार ने इसी महीने की शुरुआत में एवियन इन्फ्लूएंजा को लेकर एडवाइजरी जारी करते हुए चार राज्यों आंध्र प्रदेश (नेल्लोर जिला), महाराष्ट्र (नागपुर जिला), झारखंड (रांची जिला) और केरल (अलपुझा, कोट्टायम और पथानामथिट्टा जिले) को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी थी। अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बर्ड फ्लू के कारण दुनिया में पहली मौत की सूचना दी है।

मेट्रो एंकर

बैंक को बंद करना पड़ा ट्रांजेक्शन, लग चुका करोड़ों का फटका

नींद में भी लाखों की शॉपिंग कर रही महिला!

नई दिल्ली, एजेंसी।

महिलाओं को शॉपिंग के प्रति ऐसा जुनून होता है कि वह इसके समक्ष किसी और चीज को तवज्जो देना भूल जाती हैं, यह बात दुनियाभर की औरतों के लिये मशहूर है और इस पर कई जोक्स आदि बनते रहेत हैं। मगर इंग्लैंड की केली नाइप्स नामक एक महिला का अजब रोग 'हाइपरसोम्निया' से पीड़ति होकर शापिंग करने का अ नूठा मामला सामने आया है। आलम यह हुआ कि बैंक को उसका अकाउंट बंद करना पडा है। बताया जाता है कि यह एक दुर्लभ नींद का विकार है, जिसके कारण महिला ने नींद में 3800 डॉलर (करीब 3.16 लाख रुपये) से भी ज्यादा की ऑनलाइन शॉपिंग कर डाली। येल मेडिसिन के अनुसार, 'हाइपरसोम्निया से पीड़ित व्यक्ति सतर्क, चलता या बोलता हुआ, या खाता या ऐसी अन्य गतिविधियां करता हुआ दिखाई दे सकता है, लेकिन वह वास्तव में जागरुक नहीं होता। क्योंकि उसका मस्तिष्क केवल आंशिक रूप से जागा हुआ होता है।÷ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खुद केली ने कहा, 'सोते समय यह सोचना वाकई परेशान करने वाला और निराशाजनक है कि 'मुझे नहीं पता कि रात में क्या होने वाला है।'

दरअसल, केली की इस स्थिति के बारे में 2018 में पता चला था। तब से वो ऑनलाइन शॉपिंग कर रही है। केली को नींद में ऑर्डर किए गए सामान के पैकेज अगले दिन मिलते हैं तो वह भी चौंक उठती है क्योंकि इनमें कई बार गैर जरूरी चीजें भी होती हैं, जैसे प्लास्टिक बास्केटबॉल कोर्ट, एक नेट, पोल और बैकबोर्ड वगैरह। इसके अलावा वो पेंट के डिब्बे, किताबें, नमक और काली मिर्च, बर्तन, बच्चों का प्लेहाउस, फ्रिज, टेबल और सैकड़ों कैंडी भी ऑर्डर कर चुकी हैं।

स्कैमर्स को भी दे दी डिटेल

केली ने कहा, 'जब मैं ऑनलाइन कुछ खरीदती थी तो मुझे कभी भी क्रेडिट कार्ड का विवरण नहीं देना पड़ता था, क्योंकि यह सब मेरे फोन में सेव था।' केली ने बताया कि उसकी स्थिति तब और भी खराब हो गई, जब उसने अनजाने में टेक्स्ट मैसेज के जरिए स्कैमर्स के साथ अपनी वित्तीय जानकारी दे दी। 'मैंने उन्हें अपनी सारी जानकारी दे दी। फिर जब मैं जागी, तो उन्होंने मेरे बैंक खाते से 2।6 लाख रुपये निकाल लिए थे। अगर मैं जाग रही होती, तो मैं उनके मैसेज का जवाब नहीं देती।'

बैंक को बंद करना पड़ा ऑनलाइन लेनदेन

केली के खातों पर धोखाधड़ी के कई प्रयास शुरू कर दिए गए थे, केली ने बताया, 'मुझे कई बार कार्ड कैंसिल कराने पड़े और बहुत से लोगों ने मेरे बैंक से पैसे निकालने की कोशिश की। मैं हर जगह कर्ज में डूब रही थी। लेकिन बैंक लेन-देन को रोकने में कामयाब रहा।' केली फिलहाल दवाओं पर हैं और सोते वक्त अपने मोबाइल फोन को दूर छिपाकर रख देती हैं।

प्रशासन करा रहा सघन सर्वे, 250 अवैध कॉलोनियां अब तक चिन्हित

अवैध कॉलोनाईजर्स पर शिकंजा कसा, आज 6 को आखिरी मौका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवैध कालोनियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कलेक्टर द्वारा शुरू कराया गया सर्वे नतीजे पर पहुंचने में कुछ समय और ले सकता है। यह सर्वे एसडीएम द्वारा किया गया था लेकिन मतगणना की वजह से कुछ समय अटका रहा। हालांकि बताया यह जा रहा है कि मतगणना से पहले 250 कालोनियां चिह्नित की जा चुकी हैं और छह अवैध कालोनाइजरों को नोटिस देकर छह जून तक दस्तावेज पेश करने का समय दिया था। माना जा रहा है कि यदि आज शाम तक दस्तावेज पेश नहीं किये जाते हैं तो इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने एफआइआर दर्ज करने तक के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, जिला प्रशासन ने सिंकदराबाद, पिपलिया जाहिरपीर, अरेड़ी, सेवनिया ओंकारा और छावनी पठार में छह कालोनियों के कालोनाइजर को नोटिस थमाया था। लेकिन इसके बावजूद इनकी ओर से अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। इनमें से एक कालोनाइजर कलेक्टर न्यायालय में पेश हुआ था, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं प्रस्तुत कर पाया। इस पर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने उससे प्लाट बेचने संबंध सभी तरह के दस्तावेज पेश करने के लिए कहा, लेकिन वह वापस लौटकर नहीं आया है। अब इन सभी के खिलाफ छह जून के बाद से प्रशासन कार्रवाई करेगा। कलेक्टर का कहना है कि शहर में 250 अवैध कालोनियों को चिह्नित किया जा चुका है। सभी को नोटिस देकर दस्तावेज पेश करने का समय भी दिया जा रहा है। छह कालोनाइजरों में से कल तक एक ने भी अनुमति के दस्तावेज पेश नहीं किए हैं। शहरी क्षेत्र में नगर निगम और ग्रामीण क्षेत्र में जिला प्रशासन इन अवैध कालोनियों पर अब कार्रवाई शुरू करेगा।

इन कालोनाइजरों को नोटिस

एसडीएम हुजूर आशुतोष शर्मा की रिपोर्ट के आधार पर अरहेड़ी गांव में दो कालोनियां विजासेन के नाम से काटने वाले पुरुषोत्तम सिंह , नीलेश शुक्ला और मुकेश पाल को नोटिस दिए गए हैं। मुकेश ने पिपलिया में भी बिना अनुमति अवैध कालोनी काटी है। ग्राम ओंकारा सेवनिया में अवैध कालोनी काटने वाले विनोद यादव, छावनी पठार में अनुज साहू और सिकंदराबाद में हेमंत गड़गैया और सुनील प्रसाद को नोटिस दिए गए हैं।

प्रापर्टी टैक्स अदा नही कर रहे 4 मैरिज गार्डन पर तालाबंदी

भोपाल । लाइसेंस शुल्क और प्रापर्टी टैक्स जमा न करने पर शहर के चार मैरिज गार्डन व कम्युनिटी हाल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नगर निगम ने उनमें ताले लगा दिए है। यह कार्रवाई निगम के जोन पांच के अंतर्गत आने वाले रियाज अली काका कम्युनिटी हाल, अल कुरैशी कम्युनिटी हाल, हमीद मंजिल व गुलबाग मैरिज गार्डन पर की गई। हालांकि गुलबाग मैरिज गार्डन पर तालाबंदी करने के तुरंत बाद संचालक द्वारा पार्ट पेमेंट करने पर निगम अमले ने ताला खोल दिया। रियाज अली काका कम्युनिटी हाल के आवंटी शोएब कुरैशी द्वारा लायसेंस शुल्क की निर्धारित किस्ते जमा न करने पर कम्युनिटी हाल पर तालाबंदी की। नगर निगम द्वारा रियाज अली काका कम्युनिटी हाल आठ लाख 52 हजार वार्षिक मान से शोएब कुरैशी को आवंटित किया गया था। इसकी किस्त जमा न होने पर इसे सील कर दिया गया। इसी प्रकार अल कुरैशी कम्युनिटी हाल अनस को आवंटित किया गया था। लायसेंस शुल्क की बकाया राशि जमा न करने पर कार्रवाई की गई। वहीं 18-सुल्तानिया रोड हमीद मंजिल भवन पर संपत्ति कर की बकाया राशि 19 लाख 49 हजार 336 रुपये भवन स्वामी आयशा बेगम व इफ्तियार खान द्वारा जमा न करने पर कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई से पहले भवन स्वामियों को विधिवत देयक व नोटिस आदि जारी किए गए थे।

नगर निगम ने की कार्रवाई

शनि जयंती...

शनि जयंती पर कमला पार्क मंदिर न्यू मार्केट मंदिर मैं पूजा अर्चना।

वट वृक्ष पूजा-अर्चना...

राजधानी में आज वट वृक्ष की पूजा महिलाओं ने बड़े धूमधाम से की। वहीं कच्चा सूत लेकर वट वृक्ष की परिक्रमा की हाथ में भीगा चना लेकर सावित्री सत्यवान की कथा सुनीं ।

शोभा यात्रा में होगा शौर्य प्रदर्शन, ओजस्वी गायन व तलवारबाजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में 9 जून को आयोजित होने वाले महाराणा प्रताप जन्मोत्सव को लेकर राजपूत महापंचायत के समन्वय में समस्त राजपूत समाज और संगठनों की बैठक हुई महाराणा प्रताप लोम टीटी नगर पर संपन्न हुई। मीडिया से चर्चा में राजपूत महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर राघवेंद्र सिंह तोमर ने जन्मोत्सव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शाम 4 बजे महाराणा प्रताप लोक टीटी नगर से भव्य शोभायात्रा शुरू होगी, जो महाराणा प्रताप प्रतिमा एमपी नगर पर समाप्त होगी। समापन स्थल पर भव्य ओजस्वी गायन, मेवाड़ी तलवारबाजी, ओजस्वी गायन समेत कई कार्यक्रम होंगे। समाज की बैठक में महाराणा जन्मोत्सव की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में उपेंद्र सिंह , अभय सिंह परमार, केएस तोमर, देवेंद्र भदौरिया आदि मौजूद थे।

1000 पौधों का रोपण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जय हिंद सेना के नेतृत्व में भोपाल के हर क्षेत्र में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें साउथ टीटी नगर सेकंड स्टॉप जैन मंदिर शासकीय कमला नेहरू स्कूल मॉडल स्कूल पीटी चौराहा एकांत पार्क स्मार्ट सिटी पार्क बोर्ड ऑफिस चौराहा आदि जगहों पर पौधारोपण किया गया कार्यक्रम में अरुण पांडे वीर बहादुर राणावत पियूष रैकवार आदित्य मिश्रा कु आदि दर्जनों की संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

संतनगर में पुराने बस स्टैंड में लगा कारोबार पर अतिक्रमण का ग्रहण

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में पुराने बस स्टैंड का वजूद दशकों पहले खत्म हो गया था। कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स सा नजर आने लगा है। नगर निगम भी नया कॉम्प्लेक्स बना रहा है, लेकिन अतिक्रमण यहां की सबसे बड़ी समस्या है। दुकानदार कारोबारियां गतिविधियां दुकानों के दायरे से बाहर आकर कर रहे हैं। पार्किंग की जगह पर मैकेनिकों का अतिक्रमण व्यापारियों की दुकानों के सामने वाहन खड़ा करने की मजबूरी बना हुआ है।

एक समय था जब मध्यप्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें और हलालपुर बस स्टैंड बनने से पहले यहां बसों की आवाजाही हुआ करती थी, लेकिन अब पहचानभर बची है पुराने बस स्टैंड की। बस स्टैंड खत्म होने के बाद दुकानें दो मंजिला हो गईं। नगर ने दुकानें बनाकर यहां कॉमर्शियल गतिविधियों को बड़ा दिया है। निगम ने यहां दुकानों का निर्माण कर उसे प्रीमियम लेकर किराये पर दे दिया है। दुकानों के निर्माण के समय दुकानों के सामने वाहन पार्किंग के लिए काफी जगह थी, जो अब अतिक्रमण की चपेट में है। यहां ग्राहकों के लिए वाहन खड़ा करना बड़ी समस्या है।

संडे को होते हैं ग्राहक परेशान

बाजार के मौजूदा सूरत की बात करें तो पुराना बस स्टैंड कपड़ा बाजार में तब्दील हो गया है। थोक एवं फुटकर दुकानें हैं। संडे को बाजार में खरीदी की रौनक वाहनों की पार्किंग की समस्या के बीच। ग्राहकों को वाहन खड़े करने की जगह नहीं मिल पाती। वजह अवैध कब्जा होना है। व्यापारियों का कहना है कि पार्किंग के लिए जो जगह सुरक्षित थी, वह अब मैकेनिकों के कब्जे में है। पुलिस ने अवैध कब्जों को हटाया था, लेकिन फिर से कब्जा हो गया है। जैन धर्मशाला के पास बन रहे शॉपिंग कॉम्पलेक्स पास भी मैकेनिकों एवं सर्विस सेंटर वालों का कब्जा हो गया है।

पार्किंग की जगह बनाई जाए

व्यापारियों का कहना है, कपड़ा कारोबार के लिए पुराना बस स्टैंड प्रमुख केन्द्र हैं। यहां की सूरत अब पूरी तरह बदल गई है। लगातार यहां गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। यहां से मैकेनिकों के कब्जे हटाए जाने की जरूरत है। वाहनों की रिपेरिंग होने से आवाज और धुएं से व्यापारियों को परेशानी होती है। मैकेनिकों का हटाए जाने से पार्किंग की जगह भी मिल जाएगी।

मूक बधिर छात्रा से दुष्कृत्य करने वाले को आजीवन कारावास

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मूक बधिर किशोरी से दुष्कत्य करने के मामले में न्यायालय ने आरोपी हॉस्टल संचालक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने आरोपी पर विभिन्न धाराओं में 54 हजार रूपए का जुर्माना भी लगाया है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश (एससी एसटी एक्ट) राजर्षि श्रीवास्तव की अदालत ने सुनाया है। आरोपी के मोबाईल मे प्राप्त अश्लील वीडियो, डीएनए प्रोफाईल की पोजीटिव रिपोर्ट एवं विशेष लोक अभियोजक द्वारा प्रस्तुत लिखित तर्को से सहमत होते हुए न्यायालय ने आरोपी को पाया।शासन द्वारा की ओर से विशेष लोक अभियोजक त्रिभुवन प्रसाद गौतम द्वारा पैरवी की गई है।

यह है पूरा मामला: लोक अभियोजक के अनुसार, पीड़िता मूक बधिर होकर अनुसूचित जनजाति की होकर वर्ष 2016 मे दसवीं की पाई के बाद सामाजिक न्याय विभाग उज्जैन के द्वारा आगे की शिक्षा के लिए भोपाल भिजवाया गया था। यहां आरोपी द्वारा संचालित किए जा रहे हॉस्टल मे पीड़िता को रखवाया गया था। आरोपी द्वारा भोपाल मे एक मकान लेकर मूक बधिर छात्राओं को साथ रखकर रहने के दौरान उक्त छात्रओं को स्वयं के मोबाईल फोन के द्वारा अलग-अलग अश्लील उत्तजेक फोटोग्राफ चित्रण दिखाता था तथा पीडिता के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया।

मेट्रो एंकर

पौधों की रक्षा संकल्प दोहराया पर्यावरण प्रेमियों ने

श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में 151 पौधे रोपे गए

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बुधवार को संतनगर में सामाजिक संस्थाओं ने अलग-अलग स्थानों पर पौधारोपण किया। साथ ही पौधों की रक्षा का संकल्प भी लिया। पर्यावरण प्रेमियों ने कहा आने वाले पीढ़ी को स्वच्छ हवा के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपना की हम सबकी ड्यूटी है।

पर्यावरण की रक्षा के लिए आरएसएस, दिगंबर जैन समाज और बोरवन क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पौधा रोपण किया। केशव शाखा कालका बस्ती संतनगर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संत नगर के कार्यकर्ता ने चमत्कारेश्वर मंदिर में 151 पौधे रोपे। उन्होंने कहा कि आज का दिन प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का दिन है। प्रकृति को बचाने, संरक्षण करने का संकल्प लेने का दिन है। तेज गर्मी, साफ हवा के लिए अधिक से अधिक पौधों को रोपने की जरूर है। पौधारोपण करने वालों में रमेश लेखवानी, बसंत चेलानी व अन्य लोग मौजूद थे।

बोरबन क्लब ने किया पौधा रोपण

पयार्वरण को लेकर लंबे समय काम कर रही बोरवन क्लब ने भी विश्व पर्यावरण दिवस पर पार्क में पौधे रोपे। संस्था के अध्यक्ष जगदीश आसवानी, महासचिव शेट्टी चंदनानी ने कहा कि आज जो पर्यावरणीय समस्याएं आ रही हैं, उसके लिए हम सब जिम्मेदार हैं। तेजी से पेड़ काटे जा रहे हैं। सीमेंट कांक्रीट के जगल खड़े हो रहे हैं। अधिक से अधिक से पेड़ ही हमें सेहतमंद जीवन दे सकते हैं, पेड़ नहीं तो हम नहीं।

दिग्बर जैन समाज ने लगाए पौधे

दिगबंर जैन समाज ने बोरबन पार्क में पर्यावरण दिव मनाया। समाज के लोगों ने परिवार के सदस्यों के साथ 50 पौधे लगाए। जैन समाज के मंत्री अमित जैन चंदेरी ने कहा कि अगर हम सबको स्वस्थ रहना है तो पर्यावरण को बचाना होगा। उन्होंने का कहा हम सबकों पेड़ों की कटाई रोकनी होगी और हर खुशी के मौके पर एक पौधा रोपना होगा। लोगों को उपहार में पौधे भेंट करें। पौधारोपण करने वालों में जिला के सह संघचालक रमेश लेखवानी, एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, कन्हैया बिजलानी, मुकेश कड़ारे, नारी साधवानी, मनीष मालवीय, बसंत चेलानी, कमल प्रेमचन्दानी, मनीष जैन, जितेन्द्र मिश्रा, राजेश चेलानी , नीरज नागर, नरेश साहू, गोविंद विश्वकर्मा , देवेन्द्र यादव ने पौधा रोपण किया।

भोपाल सीट पर मुख्य मुकाबले के बीच कुछ दिलचस्प मुकाबले भी

चुनावी दौड़ में डीजीपी से आगे निकला सिपाही !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव में भोपाल सीट पर मतदाताओं ने अपना सांसद पांच लाख की प्रचंड लीड देकर चुन लिया है लेकिन अन्य दावेदारों की स्थिति भी कम दिलचस्प नहीं है। दरअसल, भोपाल सीट पर भाजपा-कांग्रेस और बसपा के साथ ही 22 उम्मीदवार मैदान में थे। सभी को कुछ न कुछ वोट जरूर मिले लेकिन भोपाल में लंबे समय तक एसपी रहे और बाद में डीजी पद से रिटायर हुए आईपीएस अफसर मैथिलीशरण गुप्ता को अपने ही फोर्स के एक रिटायर्ड सिपाही बाबूलाल सेन से पिछड़ना पडा। दरअसल, सेन मौलिक अधिकार पार्टी से और गुप्त निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में थे।

हालांकि मुख्य मुकाबला तो भाजपा और कांग्रेस में था, लेकिन लोकप्रियता में सिपाही द्वारा पूर्व डीजी को पीछे छोड़ने की भी चर्चा है। जबकि डीजी इंटरनेट मीडिया के अलावा अन्य गतिविधियों की वजह से लोगों के बीच हमेशा चर्चा में बने रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि वे किसी दल से मैदान में उतरते तो ज्यादा वोट पा सकते थे। 63 वर्षीय पूर्व डीजी मैथिलीशरण कई वर्षों से भोपाल में ही निवास कर रहे हैं। जबकि 59 वर्षीय बाबूलाल सेन ने स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति ली है। वह अधिकांश समय रीवा में रहते हैं। इसके चलते बाबूलाल का कोई खास परिचय आमजन के बीच नहीं है। इस वजह से उनकी अपेक्षा गुप्त का वर्चस्व और नेटवर्क काफी बड़ा है। चुनाव में बाबूलाल को 720 मत और मैथिलीशरण गुप्त को कुल 427 मत मिले हैं। यानि पूर्व सिपाही ने डीजीपी से 293 मत अधिक प्राप्त किए हैं।

आलोक फिर उत्तर व मध्य से पिछड़े, हुजूर का सहारा

लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल से पांच लाख मतों की ऐतिहासिक बढ़त के साथ भले ही आलोक शर्मा सांसद बन गए हों, लेकिन वह उत्तर और मध्य विधानसभा क्षेत्र से पिछड़ गए। दरअसल इन दोनों ही क्षेत्रों में विधायक भी कांग्रेस के ही हैं। हालांकि हुजूर विधानसभा क्षेत्र ने इसकी भरपाई कर दी है।उत्तर में कांग्रेस के अरुण श्रीवास्तव को 22 हजार 715 और मध्य में पांच हजार 11 मत अधिक मिले हैं। जबकि आठों विधानसभा क्षेत्र में हुजूर से सबसे अधिक एक लाख 90 हजार 420 मत भाजपा को मिले हैं।

22 में से 19 नोटा से हारे, सभी की जमानत जब्त

भोपाल सांसद कुर्सी की दौड़ में शामिल 19 ऐसे उम्मीदवार हैं, जो नोटा से ही हार गए। सिर्फ तीन ही इससे अधिक मत लेकर जीत हासिल कर सके हैं। जमानत बचाने के लिए इन उम्मीदवारों को कुल मतदान का 1.66 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करना था, लेकिन यह 318 से 3641 मत ही प्राप्त कर सके हैं। इनमें से कोई भी न तो %नोटा% को हरा सका और न ही अपनी जमानत बचा सका है। लोकसभा चुनाव में चौथे नंबर पर सबसे अधिक मत पाकर छह हजार 573 नोटा है।

छोटे दल के उम्मीदवार रहे बेअसर

भाजपा, कांग्रेस और बसपा को छोड़कर 10 राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहे थे। इनमें से 790 मत रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया, छत्रपति शिवाजी भारतीय गरीब पार्टी ने प्राप्त किए हैं। जबकि बाकी अन्य पार्टियों में भारतीय शक्ति चेतना पार्टी 588, क्रांति जन शक्ति पार्टी को 575 मत मिले हैं।

ई-प्रवेश: एक सप्ताह की देरी से हुई पीजी की सीटें आवंटित

पहले दिन 787 विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

कुल 298 हजार 263 सीटों का किया गया आवंटन, प्रवेश लेने वालों में छात्राओं सबसे आग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सरकारी और निजी कॉलेजों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग कराई जा रही है। करीब एक सप्ताह की लेटलतीफी के साथ पीजी की पहले चरण की सीटों का आवंटन कर दिया गया है। पहले चरण की कुल 29 हजार 263 सीटों का आवंटन किया गया है। इन सीटों पर पहले दिन ही 787 विद्यार्थियों ने प्रवेश भी ले लिया है। प्रवेश लेने के छात्राएं सबसे आगे हैं। आवंटित सीटों पर पहले दिन ही 445 छात्राओं और 342 छात्रों ने प्रवेश लिए हैं। पहले चरण की आवंटित सीटों पर विद्यार्थी 12 जून तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर प्रवेश ले सकेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कुल कालेज 1314 की करीब यूजी-पीजी की करीब 10.32 लाख सीटें है। इसमें सरकारी कॉलेज 562, अनुदान प्राप्त निजी कॉलेज 67 और निजी कॉलेज 685 हैं।

इसमे यूजी की कुल सीटें 8 लाख 19 हजार 826 और पीजी की कुल सीटें 2 लाख 12 हजार 615 सीटें हैं।

पीजी के दूसरे चरण का आवंटन 22 को होगा-

पीजी स्तर पर अपग्रेडेशन की अंतिम तिथि 12 जून निर्धारित की गई है। इसके साथ ही दूसरे चरण के पंजीयन भी जारी हैं। विद्यार्थी 14 जून तक पंजीयन और 18 जून तक ऑनलाइन सत्यापन करा सकेंगे। इसके बाद दूसरे चरण की सीटों का आवंटन 22 जून को किया जाएगा।

यूजी में 1.25 लाख में से अब तक 82 हजार 408 सीटों पर प्रवेश

यूजी में प्रथम चरण में आवंटित सीटों पर प्रवेश के लिए अंतिम तारीख तक 82 हजार 408 हजार विद्यार्थियों ने शुल्क जमा कर प्रवेश लिए हैं। प्रदेश के कॉलेजों में यूजी की करीब 7.98 सीटें हैं, इनमें से प्रथम चरण में 1.25 लाख सीटें आवंटित की गई थीं। इसके बाद सीट छोड़कर अपग्रेडेशन के विद्यार्थियों को आवंटित सीटों पर प्रवेश 10 जून तक होंगे।

21 को 11वीं के सभी विषय और 9वीं की 22 जून से 2 जुलाई तक होगी पूरक परीक्षा

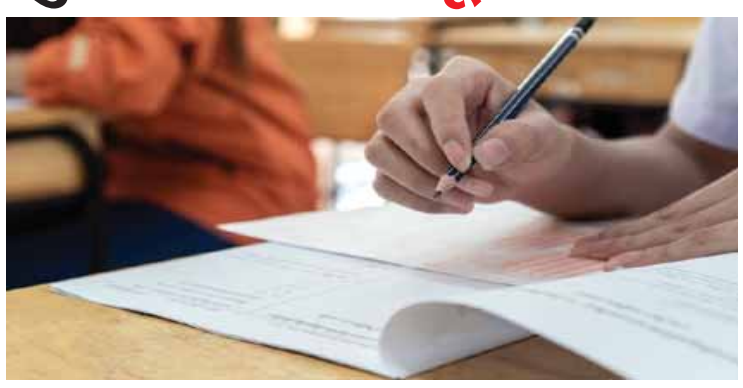

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोक शिक्षण संचालनालय ने कक्षा 9वीं और 11वीं की पूरक परीक्षा की समय-सारणी जारी कर दी गई है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार, 11वीं की पूरक परीक्षा 21 जून और नौवीं की परीक्षा 22 जून से 2 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। इसके लिए प्रत्येक जिले के उत्कृष्ट विद्यालयों में केंद्र बनाया जाएगा। परीक्षा का समय सुबह आठ से 11 बजे तक रहेगा। नौवीं का पहला पेपर हिंदी का रहेगा। 24 जून को अंग्रेजी, 25 जून को उर्दू, 26 जून को सामाजिक विज्ञान, 27 जून को एनएसक्यूएफ के समस्त विषय, 28 जून को संस्कृत, 29 जून को विज्ञान, एक जुलाई को गणित व दो जुलाई को मराठी, मूक बधिर व दृष्टिहीन विद्यार्थियों के पेपर होंगे।

मदरसा बोर्ड की हरे कपड़े में और सीबीएसई की कॉपियां होंगी नारंगी रंग में

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कॉपियां किस और बोर्ड की है इसकी पहचान रंगों से होगी। राज्य ओपन बोर्ड ने गोपनीयता बनाए रखने के लिए यह पहल की है। इस पहल के तहत मदरसा बोर्ड से परीक्षा देने वाले छात्रों की कॉपियां हरे रंग के कपड़े में बांधी जाएगी, वहीं राज्य ओपन बोर्ड से अगर कोई सीबीएसई का स्टूडेंट परीक्षा में शामिल होता है तो उसकी कॉपियों का बंडल नारंगी रंग का होगा। राज्य ओपन के संचालक पीआर तिवारी के मुताबिक उत्तर पुस्तिकाओं में जांच की गोपनीयता को बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए हैं। राज्य ओपन बोर्ड से करीब ढाई लाख विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं। इनकी उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए बोर्ड ने प्रक्रिया शुरू कर दी। वहीं राज्य ओपन बोर्ड कक्षा 10वीं व 12वीं की परीक्षा कराता है। साल में दो बार आयोजन होता है। परीक्षा में शामिल होने के लिए उम्र की सीमा नहीं है। इसके अलावा कक्षा दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में फेल विद्यार्थी रुक जाना नहीं योजना के तहत परीक्षा दे रहे हैं।

पर्यावरण दिवस पर बरकतउल्ला विश्व विद्यालय में लगाए पीपल, आम, नीम, जामुन के पौधे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र व समाज कार्य विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाए गए। जिसमें पीपल, आम ,नीम, जामुन आदि के पौधे लगाए गए तथा कार्यक्रम में उपस्थित छात्र छात्राओं व शिक्षकों ने पर्यावरण के असंतुलन व तपन को ध्यान में रखते हुए प्रण लिया के वे इस वर्ष वर्षा ऋतु में न केवल विभाग में वह विश्वविद्यालय बल्कि अपने आसपास भी जितना हो सके वृक्षारोपण करेंगे। इस उपलक्ष्य में विभागाध्यक्ष प्रो. रुचि घोष दस्तीदार, प्रो.शशांक ठाकुर, प्रो.अनीता धुर्वे ,डॉ राउफ शेख, किरण बिलोनिया ,हरेंद्र मालवीय, डॉ.युक्ति दीप राठौर ,डॉ.सविता भदौरिया, शालीन जॉर्ज ,डॉ राखी बाला सिंघारे एवं पूर्व छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सेन्सीटाइजेशन कार्यक्रम भी आयोजित

बीयू के पर्यावरण एवं सरोवर विज्ञान विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सेन्सीटाइजेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा सहनशीलता है। विभाग द्वारा ग्राम पंचायत कान्हा सैया, फंदा के किसानों को इस वर्ष की थीम एवं भूमि बहाली के कारण और उपायों के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही मरुस्थलीकरण और सूखा सहनशीलताश् के भूमि उपचार को सरल भाषा में समझाया गया। इस कार्यक्रम में क्रांति अन्तर लोधी सरपंच, संतोष पाल, सचिव एवं किसान शामिल हुए। डॉ. अभिलाषा भावसार, विभागाध्यक्ष, पर्यावरण एवं सरोवर विज्ञान एवं विभाग के छात्रों ने सहभागिता कर कार्यक्रम का आयोजन किया।

मेट्रो एंकर विश्व पर्यावरण दिवस पर जल, पर्यावरण संरक्षण पर विशिष्ट व्याख्यान

पर्यावरण खराब क्यों हुआ, अब इस पर चिंतन जरूरी, जिम्मेदारी हम सभी की है: डॉ. कोठारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। विश्व पर्यावरण दिवस दिवस के अवसर पर मेपकास्ट में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि आज हम इनोवेशन, टेक्नोलॉजी, डेवलपमेंट की बात करते हैं, लेकिन पर्यावरण पर भी चिंतन करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने कहा कि हम हमेशा इस पर बात करते हैं कि पर्यावरण का क्षरण हो रहा है, लेकिन हम कभी इस पर बात क्यों नहीं करते कि पर्यावरण खराब क्यों हुआ है। अब वो समय आ गया है जब हमें इस बात पर भी परिचर्चा करने की आवश्यकता है कि पर्यावरण का क्षरण आखिर क्यों हुआ है।

कार्यक्रम में नौसेना के कैप्टन डॉ. ओपी शर्मा, वरिष्ठ पर्यावरणविद डॉ. सुदेश वाघमारे, डॉ. वीके पाराशर सहित मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी मुख्य रूप से उपस्थित हुए। आईआईटी गांधीनगर के कन्वीनर पंकज गोदारा ने छात्र-छात्राओं को खिलौनों के माध्यम से गणित और विज्ञान के दृष्टिकोण को बताया। इस दौरान उन्होंने कई गतिविधियों का लाइव डेमोस्ट्रेशन भी करके दिखाया।

परिसर में पौधरोपण भी किया: इस दौरान उपस्थित अतिथियों ने परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर आईआईटी गांधीनगर के सहयोग से विज्ञान भवन में क्रिएटिव लर्निंग सेशन आयोजित किया गया।

कैप्टन डॉ. ओपी शर्मा बोले - शुरुआत हमें अपने घर से करना चाहिए: नौसेना के कैप्टन डॉ. ओपी शर्मा ने कहा कि हम सभी का लक्ष्य होना चाहिए कि हम इसे केवल एक दिवस के रूप में न मनाकर बल्कि इसे एक संकल्प के रूप में मनाने का निर्णय लें। जब हम बात पर्यावरण संरक्षण की करते हैं तो इसकी शुरुआत हमें अपने घर से करना चाहिए। आज इस बात का अंदाजा लगाना मुश्किल है कि हमारे घरों में ही कितना प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है। यह उपयोग किया हुआ प्लास्टिक विभिन्न स्वरूपों में हमारे पर्यावरण को, जीव-जंतुओं को प्रभावित करता है। इसलिये हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम प्लास्टिक उपयोग को पूरी तरह से प्रतिबंधित करें और दूसरों को भी इसके उपयोग से बचाने के लिये प्रेरित करें।

संपादकीय

रस्सी पर चलने जैसी मजबूरी

देश में फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनने की सूरत नजर आने लगी है। क्योंकि गठबंधन ने सर्वसम्मति से मोदी को अपना नेता चुन लिया है। फिलहाल तो माना जा सकता है कि तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देश की बागडोर संभालने की दिशा में उन्होंने एक और कदम आगे बड़ा दिया है,दूसररी तरफ खुद मोदी व उनके सहयोगी दलों की नजरें इंडिया गठबंधन की गतिविधि पर निश्चित तौर पर जमी होंगीं। वजह यह है कि इस बार के आम चुनाव में खंडित जनादेश मिला है। किसी भी राजनीतिक दल को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हो सका है। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ने गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। भाजपा की अगुआई वाले गठबंधन, राजग, को जरूरी बहुमत से कुछ अधिक सीटें प्राप्त हुई हैं, इसलिए वह सरकार बनाने का दावा पेश करने जा रहा है। चूंकि भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर सामने आई है मगर वह भी बहुमत से दूर है चूंकि गठबंधन के पास बहुमत है, इसलिए सरकार बनाने का दावा वाजिब है। कांग्रेस की अगुआई वाले इंडिया गठबंधन ने सरकार बनाने के सवाल पर संकेत दिया है कि फिलहाल वे किसी जोड़-तोड़ में नहीं जुटेंगे। इससे पहले खबरें थीं कि नीतीश व नायडू शायद सैद्धांतिक आधार पर राजग के साथ जाने से इनकार कर दें और इसका फायदा इंडिया उठा ले पर यह भी तय है कि इस बार भाजपा का गठबंधन के सहयोगियों के साथ वही व्यवहार नहीं रह पाएगा, जो पहले की दो सरकारों के समय देखा गया। इस बार भाजपा को अकेले दम पर बहुमत हासिल नहीं है इसलिये उसे सरकार चलाने के लिए हर समय सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा। पिछली दो सरकारों के समय भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत था, इसलिए उसे सहयोगियों की ज्यादा चिंता नहीं थी। अब एक तनी हुई रस्सी पर संतुलन साधते हुए चलने जैसा होगा, जरा भी असंतुलन खतरनाक होगा। फिर, जिन दो दलों- तेलगु देसम पार्टी और जद (यू) के पास सरकार चलाने के लिए निर्णायक सीटें हैं, उनके साथ संतुलन साधना सबसे अहम होगा। इन दोनों दलों के नेताओं यानी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के भाजपा के साथ सैद्धांतिक मतभेद पहले कई बार उजागर हो चुके हैं। वे बीच में भाजपा का साथ छोड़ कर अलग राह पकड़ चुके हैं। इसलिए उन्हें लेकर भरोसेमंद दावा कोई नहीं कर सकता। वे कब किस फैसले से नाराज हो जाएं, कहना मुश्किल है। राजग की पिछली दो सरकारों के कामकाज के तरीके और फैसलों को लेकर अनेक आपत्तियां उठती रही हैं। नई सरकार में घटक दलों की बात सुनना जरूरी होगा। अपेक्षा की जाती है कि इस बार मंत्रिमंडल का गठन कुछ इस तरह से होगा कि उसमें घटक दलों की मांगों को समायोजित करना होगा। हर सहयोगी दल अपने समर्थन की बड़ी कीमत मांगेगा। उसमें अगर पदों और विभागों के बंटवारे में असंतुलन होगा, तो असंतोष भी उभरेगा और उसका असर सरकार के कामकाज पर नजर आने लगेगा। पिछली सरकारों के समय कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणाएं की गई थीं, वे तभी लागू होंगी जब विभागों के बंटवारे में संतुलन होगा। हर सहयोगी दल की अपनी क्षेत्रीय प्राथमिकताएं भी हैं, इसलिए नई सरकार से हर स्तर पर संतुलन साधने की दरकार होगी। यह नरेंद्र मोदी के लिये भी बहुत सहज नहीं रहने वाला,क्योंकि इससे पहले वे तीन बार गुजरात में प्रचंड बहुमत वाली और केंद्र में दो बार बहुमत वाली सरकार का नेतृत्व कर चुके हैं।

इतिहास सिर्फ़ गुज़रा कल नहीं होता, वो आपका वर्तमान और भविष्य दोनों खराब करने का माद्दा रखता है।

कौन बनाएगा सरकार? क्या लौट आया गठबंधन सरकारों का दौर?

विनोद पाठक

पहले चरण के समय प्रधानमंत्री ने विकास के नाम पर चुनाव लड़ा, लेकिन जैसे ही कम वोटिंग हुई तो दूसरे चरण से विकास का मुद्दा छोड़कर नरेंद्र मोदी हिंदुत्व, कांग्रेस की कमजोरी, इंडी गठबंधन, मुस्लिम तुष्टीकरण, संपत्ति के बंटवारे जैसे मुद्दे पर उतर आए। दूसरे से सातवें चरण तक आते-आते चुनाव बेहद आरोप-प्रत्यारोपों में बदलता दिखा...

एग्जिट पोल एकबार फिर गलत साबित हुए हैं और लोकसभा चुनाव में देश की तस्वीर करीब-करीब साफ नजर आने लगी है। किसी भी दल को पूर्ण बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है। भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़े दल के रूप में उभरती दिख रही है। अभी चल रहे ट्रेंड में भाजपा 240 से अधिक सीटें अकेले दम पर लेकर आ रही है। उसके नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) बहुमत के साथ 290 से अधिक सीटों के साथ बहुमत हासिल करता दिख रहा है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन ने बेहद मजबूती से चुनाव लड़ा है।कांग्रेस अपने दम पर 100 सीटें लाती दिख रही है। यूपी में समाजवादी पार्टी ने बड़ा उल्टफेर करते हुए 35 से अधिक सीटों पर बढ़त बनाई है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने एकतरफा जीत दर्ज की है।

भारतीय जनता पार्टी को सबसे अधिक नुकसान उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल बंगाल जैसे राज्यों में हुआ है, जहां पार्टी को उम्मीद थी कि इस बार फिर वो करिश्माई प्रदर्शन दोहराएगी। पार्टी ने हरियाणा और कर्नाटक में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। इन्हीं राज्यों के कारण भारतीय जनता पार्टी अपने अकेले के दम पर पूर्ण बहुमत लाने से चूकती नजर आ रही है।हालांकि, उड़ीसा, मध्यप्रदेश, गुजरात, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, छत्तीसगढ़, असम, उत्तर पूर्व के राज्यों में पार्टी में अच्छा प्रदर्शन किया है। केरल में भी अपना खाता खोल लिया है, लेकिन तमिलनाडु में पार्टी को निराश होना पड़ा है, जहां लंबे समय से पार्टी अपने संसाधन झोंकती आ रही है। दूसरी ओर, इंडी गठबंधन ने यूपी, तमिलनाडु, राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, पंजाब जैसे राज्यों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। विशेष का उत्तर प्रदेश में यही माना जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी वर्ष 2019 के प्रदर्शन को दोहराएगी। पहले चरण के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास के नाम पर चुनाव लड़ा, लेकिन जैसे ही कम वोटिंग हुई तो दूसरे चरण से विकास का मुद्दा छोड़कर नरेंद्र मोदी हिंदुत्व, कांग्रेस की कमजोरी, इंडी गठबंधन, मुस्लिम तुष्टीकरण, संपत्ति के बंटवारे जैसे मुद्दे पर उतर आए। दूसरे से सातवें चरण तक आते-आते चुनाव बेहद आरोप-प्रत्यारोपों में बदलता दिखा।नरेंद्र मोदी ने चुनाव से पहले 400 पार का नारा दिया था और अब लग रहा है कि यही नारा पार्टी के गले की फांस बना, क्योंकि भाजपा के कई नेताओं ने 400 पार के नारे को संविधान से जोड़ दिया और यहां तक कह दिया कि पार्टी संविधान बदलेगी। इसी मुद्दे को इंडी गठबंधन ने जोर-शोर से पूरे चुनाव में पकड़े रखा। खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने जनता को यह विश्वास दिलाया कि अगर तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो संविधान बदल देंगे, आरक्षण खत्म कर देंगे, तानाशाही आ जाएगी। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की नुकसान का बड़ा कारण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर विपक्ष का फैलाया भ्रम भी रहा, जिसमें विपक्ष बार-बार यह कह रहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री पद से हटाना चाहते हैं। शायद जनता को यह बात स्वीकार नहीं हुई। यूपी में जिस तरीके से पिछले 7 सालों से योगी आदित्यनाथ कानून व्यवस्था के मुद्दे पर आगे बढ़ रहे हैं तो उनकी छवि एक राष्ट्रीय नेता की हो गई है। योगी आदित्यनाथ को महिलाओं का भरपूर समर्थन मिला है, लेकिन अब लोकसभा चुनाव के नतीजे बता रहे हैं कि जनता में कहीं ना कहीं यह बात घर कर गई है कि योगी आदित्यनाथ को हटा सकते हैं।

भाजपा से कहीं ना कहीं प्रत्याशियों के चयन में भी चूक हुई है। खासकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पार्टी ने अपने पुराने चेहरों पर ही दांव लगाया। उत्तर प्रदेश में तो बाहर से आए नेताओं को भी टिकट दिए गए। फिर जिस तरह से कांग्रेस के नेताओं ने लाइन लगाकर भाजपा ज्वाइन की, उससे भी पार्टी कार्यकर्ताओं में निराशा फैली।पहले चरण से ही दिख रहा था कि पार्टी कार्यकर्ता उस जोश से चुनाव में नहीं लगे हैं, जैसा 2014 और 2019 में देखने को मिला था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका में भी यही देखने को मिला, क्योंकि चुनाव में संघ भी उस तरीके से जमीन पर नजर नहीं आया, जैसा पिछले दो चुनाव में दिखा था।

कांग्रेस इस बार विपक्षी दलों को एकजुट रखने में कामयाब रही। ममता बनर्जी को छोड़ दें तो इंडी गठबंधन में अपने-अपने राज्यों में सहयोगी दलों को सीटें दीं। भले पंजाब में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस आमने-सामने थे, लेकिन कांग्रेस यहां शुरू से मजबूत नजर आई। राहुल गांधी के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी ने भी जोर-शोर से प्रचार किया।इंडी गठबंधन के सभी सहयोगी दल, विशेष कर समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, राजद के तेजस्वी यादव हिंदी पट्टी में पूरे जोश खरगोश के साथ चुनाव में जुटे और सबने मिलकर बड़ी रैलियां कीं। यदि किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है तो एकबार फिर जोड़-तोड़ की राजनीति शुरू होगी। फिलहाल यही लग रहा है कि भाजपा के नेतृत्व में सरकार का गठन होगा, क्योंकि सबसे बड़ा दल वही है, लेकिन जनता दल (यू) की जो छवि रही है, वह इधर से उधर जाने की है, तेलुगू देशम पार्टी भी आंध्र प्रदेश में अच्छी सीटें लेकर आई है। अभी से ऐसी खबरें आ रही हैं कि इंडी गठबंधन एनडीए के दलों पर डोरे डाल रहा है। अगले दो-तीन दिन बेहद उतार-चढ़ाव के रहने वाले हैं। अंतिम सवाल, क्या यह माना जाए कि दोबारा से गठबंधन की सरकारों का दौर शुरू हो गया है?

– साभार: यह लेखक के विचार हैं।

आज का इतिहास

- 1674 शिवाजी, जिन्होंने बीजापुर और मुगल साम्राज्य के सल्तनत से मुक्त करने के लिए प्रतिरोध का नेतृत्व किया, को मराठा साम्राज्य के पहले छत्रपति का ताज पहनाया गया।
- 1744 फ्रांस और पर्शिया ने शांति संधि पर हस्ताक्षर किया।
- 1761 शुक्र का पारगमन हुआ जिसे पृथ्वी के 120 स्थानों से देखा जाता है। मिखाइल लोमोनोसोव को वीनस का माहौल पता चला।
- 1808 नेपोलियन के भाई जोसफ को स्पेन का राजा बनाया गया था।
- 1813 ग्रेगरी ब्लैक्सलैंड, विलियम लॉसन और विलियम वेंटवर्थ ब्लू माउंटेनों को पार करके घर लौटकर वापिस आ गए।
- 1813 का युद्ध-ब्रिटिश ने ओंटारियो के स्टोइन क्रीक के पास अमेरिकी दबंग पर हमला किया, दो वरिष्ठ अधिकारियों को पकड़ लिया
- 1844 लंदन में युवा पुरुष ईसाई संघ की स्थापना की
- 1844 वाईएमसीए, आज 124 राष्ट्रीय महासंघों के 45 मिलियन से अधिक सदस्यों के विश्वव्यापी आंदोलन की स्थापना लंदन में हुई थी।
- 1859 क्वीन विक्टोरिया ने न्यू साउथ वेल्स से क्यूक्यून्सलैंड की कॉलोनी को अलग करने वाले पत्रों पर हस्ताक्षर किए।
- 1862 मेम्फिस की पहली लड़ाई में अमेरिकी नागरिक युद्ध-संघ की सेना की जीत ने नदी पर कॉन्फेडरेट नौसेना की उपस्थिति को लगभग समाप्त कर दिया।

निशाना

नई अब सरकार !

- कृष्णेन्द्र राय

होगी गठन जल्द ।
नई अब सरकार ।।
व्यक्त कर दिया सबने ।
जनता का आभार ।।
सब अपनी रणनीति पर ।
कर रहे हैं काम ।।
ज़ोर है इस बात पर ।
उछले मेरा नाम ।।
है पनपी उम्मीद ।
देंगे हम सरकार ।।
हम किसी से कम नहीं ।
मिला हमें हथियार ।।
फूले नहीं समा रहे ।
नई किरण है आई ।।
नज़रें सबकी हैं टिकी ।
मिले हमें मलाई ।।

पर्यावरण के बड़े खतरों के लिए कोशिशें भी बड़ी हो

ललित गर्ग

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिए यह खास दिवस मनाया जाता है और देश एवं दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की याद दिलाई जाती है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इस वर्ष बड़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं।

ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बड़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इस बार पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है, जबकि अनेक देश युद्ध की विभीषिका के कहर से जूझ रही है और दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, बड़ता तापमान, असंतुलित पर्यावरण जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। पर्यावरण को समर्पित यह खास दिन हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने एवं उसके प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित करता है। विश्व पर्यावरण दिवस 1974 से ही मनाया जाता है, जब संयुक्त राष्ट्र ने पहली बार इसकी घोषणा की थी। सऊदी अरब 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह की मेज़बानी करेगा, जिसका थीम होगी 'हमारी भूमि, हमारा भविष्य।' यह थीम भूमि और इकोसिस्टम को बहाल करने, जैव विविधता की रक्षा करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयास पर जोर देती है। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है 'भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता।' मानवता भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। इस वर्ष का विषय का फोकस 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है।

ग्लोबल वार्मिंग का खतरनाक प्रभाव अब साफतौर पर दिखने लगा है। देखा जा सकता है कि गर्मियां आग उगलने लगी हैं और सर्दियों में गर्मी का अहसास होने लगा है। असंतुलित पर्यावरण विनाश का कारण बन रहा है। आजकल जब उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्से रेकार्ड गर्मी से तप रहे हैं तब पश्चिम बंगाल और केरल में भयानक बारिश हो रही है। इस तरह एक साथ इतनी तेज बारिश से नुकसान होता है। बढ़ते शहरीकरण विकास योजनाओं और जिंदगी से जुड़े हर क्षेत्र में पानी की जरूरतें बढ़ रही है। दूसरी तरफ पानी के कुदरती स्रोत कम होते जा रहे हैं। हमें पानी के इस्तेमाल के तौर-तरीकों में तुरंत बदलाव करते हुए संयम बरतने की जरूरत है। खेती में पानी के इस्तेमाल, पानी को इकट्ठा करने और उन्हें भूगर्भीय स्रोतों तक पहुंचाने के तौर-तरीकों और पानी के आम इस्तेमाल को बदलना होगा। नई सरकार को इस पर ज्यादा ध्यान देना होगा क्योंकि पानी की उपलब्धता के सारे समीकरण बदल गए हैं।

तापमान का 50 डिग्री पार करना जटिल एवं गंभीर पर्यावरणीय घटना है। फ्रिज, एसी, कूलर और कारों की बिक्री बढ़ने से बिजली की खपत बढेगी! यह स्थिति कोयले, पेट्रोल, डीजल के इस्तेमाल को बड़ायेगी। ऐसे में लगातार ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रही धरती और गर्म हो जाएगी। देश-दुनिया में गर्मी के नए रेकार्ड बनेंगे। इन दिनों कई शहरों का तापमान रेकार्ड तोड़ चुका है। इससे दिहाड़ी मजदूर, किसान और मेहनतकश लोगों को जूझना पड़ रहा है। वहीं ज्यादा बारिश वाले क्षेत्रों में पानी की कमी हो रही है तो सूखी जगहों पर बेतहाशा बारिश। इन घटनाओं की वजह को समझना होगा, उसे गंभीरता से लेना होगा। नई बनने वाली सरकार को पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देना होगा। जलवायु परिवर्तन के अलावा कई समस्याएं मानव निर्मित भी है। माना कि बादल फटने, जंगलों में आग जैसी घटनाएं बड़ रही हैं, लेकिन अपेक्षाकृत नए माने जाने वाले हिमालय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में नए बांध और सड़क बनाए जाने से होने वाले नुकसान ज्यादा सामने आ रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन ऐसा मसला है जिसमें पर्यावरण से होने वाला खतरा किसी देश की सीमा या उसकी हैसियत नहीं देखता। सबको बराबर नुकसान होता है। इसलिए विश्व के सभी देशों एवं विशेषतः विकसित एवं शक्तिसम्पन्न देशों को उदार एवं दूरगामी नजरिया अपनाना होगा। अपने-अपने स्वार्थों को नजरअंदाज करते हुए विश्व मानवता को केन्द्र में रखना जरूरी है। कई बिंदुओं पर दुनिया पीछे जा रही हैं। दुनियाभर में जो युद्ध चल रहे हैं, उनकी वजह से भी सारे समीकरण बदल गये हैं। पहले कोविड ने नुकसान पहुंचाया, उसके बाद रूस-युक्रेन युद्ध और इस्राइल-गाजा का मामला चल रहा है। युद्धों का पर्यावरण पर सबसे घातक असर पड़ता है और यही जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण भी बनते हैं। पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे, जानवर और अन्य जीव-जंतु। पर्यावरण के घटक परस्पर एक-दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। हालांकि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने की आज बड़ी आवश्यकता है, इस दृष्टि से विश्व पर्यावरण दिवस मनाना केवल आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक बने, यह अपेक्षित है।

बदलते मौसम का ग्लेशियर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। सदियों से ग्लेशियर पिघलकर नदियों के रूप में लोगों को जीवन देते रहे हैं, लेकिन पिछले दो-तीन दशकों में पर्यावरण के बड़ रहे दुष्परिणामों के कारण इनके पिघलने की गति में जो तेजी आई है, वह चिंताजनक है। ऐसे में मुंबई समेत दुनिया के कई हिस्सों एवं महानगरों-नगरों के डूबने की आशंका तेजी से बड़ चुकी है। इसका खुलासा अमरीकन नेशनल अकादमी ऑफ साइंस ने किया है। औद्योगिक गैसों के लगातार बड़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। सार्वभौमिक तापमान में लगातार होती इस वृद्धि के कारण विश्व के ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। ग्लेशियर के तेजी से पिघलने के कारण महासागर में जलस्तर में ऐसी ही बड़ोतरी होती रही तो महासागरों का बड़ता हुआ क्षेत्रफल और जलस्तर एक दिन तटवर्ती स्थल, भागों और द्वीपों को जलमग्न कर देगा। ये स्थितियां भारत में हिमालय के ग्लेशियर के पिघलने से एक बड़े संकट का कारण बन रही है। हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों में जंगलों में आग की जो घटनाएं घटीं, वे ग्लेशियरों के लिए नया खतरा हैं। वनों में आग तो पहले भी लगती रही हैं, पर ऐसी भयानक आग काफी खतरनाक है। ग्रीन हाउस गैसों के असर से पूरी दुनिया के साथ ही हिमालय भी गरम हुआ है। हाल में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि उत्तर पश्चिमी हिमलाय के औसत तापमान में पिछले दो दशक में 2.2 डिग्री सेल्सियस की बड़ोतरी हुई है। यह आंकड़ा उसके पहले के सौ साल में हुई बड़ोतरी से कहीं ज्यादा है। भारत समेत पूरे विश्व में प्रदूषण तेजी से फैल रहा है। बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति खतरे में हैं। प्रकृति जीवन जीने के लिए किसी भी जीव को हर जरूरी चीज उपलब्ध कराती है। ऐसे में अगर प्रकृति प्रभावित होगी तो जीवन प्रभावित होगा। प्रकृति को प्रदूषण से बचाने एवं संतुलित मौसम चक्र को कायम करने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

– साभार

नर्मदा घाट में श्रमदान द्वारा मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

हिरनखेड़ा तालाब से हुआ 'नमामि गंगे' अभियान का शुभारंभ

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद स्तरीय नमामि गंगे अभियान का शुभारंभ हिरनखेड़ा के प्रसिद्ध गौ उत्पत्ति तालाब पर किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत तालाब में श्रमदान, साफ-सफाई, एवं वृक्षारोपण कार्य किये गए। इस अवसर पर विश्व पर्यावरण दिवस पर केंद्रित एक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसमें जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रुति चौधरी द्वारा पर्यावरण संरक्षण की महत्वता बताई गई, उन्होंने कहा कि समुदाय को नदियों, तालाबों एवं जल संरचनाओं के पुनर्जीवीकरण और संरक्षण के लिए विशेष प्रयास और सभी को आगे आकर पर्यावरण घटकों पर ध्यान देना होगा।

मनरेगा के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी राकेश नागर द्वारा जैव विविधता, जल स्त्रोतों के संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण विषयों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की सच्ची हितेषी तो हमारी बुजुर्ग पीढ़ियां थी। नई पीढ़ियां तो आधुनिकता के

ताने-बाने में पर्यावरण को अनेक प्रकार से दूषित कर रही हैं। हमें वृहद स्तर पर वृक्षारोपण करने की आवश्यकता है तभी हम एक स्वच्छ पर्यावरण की संरचना स्थापित कर सकते हैं। आरईएस इंजीनियर नंदिनी तिवारी द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण विषय पर अपने विचार रखे गए?। ग्राम के समाजसेवी आशुतोष लिटोरिया द्वारा भी वृक्षारोपण, पारिस्थितिक तंत्र में पर्यावरण की विशेष महत्वता आदि विषयों पर अपने विचार रखे गए उन्होंने कहा कि पहले एक कुएं से सारा गांव अपनी जलापूर्ति करता था, आज हर घर में बोरवेल- कुंए हैं,और हम तेज गति से भूमिगत जल का दोहन कर रहे हैं किंतु वर्षा जल के संचयन में हम बहुत लापरवाह है इसका मतलब हम प्रकृति से ले तो ज्यादा रहे हैं पर उसे वापस कम दे रहे हैं, ग्राम पंचायत हिरनखेड़ा के सचिव हितेश मनवारे द्वारा नमामि गंगे अभियान की प्रस्तावना , कार्ययोजना और उद्देश्यों पर अपने विचार रखें गए।

नमामि गंगे अभियान

मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश की समस्त पंचायत में जल स्रोतों तथा नदी, तालाबों, बावड़ी एवं अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण, पुर्नजीवन हेतु 05 जून से 15 जून तक विशेष नमामि गंगे अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिसमें ऐसे जल स्त्रोतों का अविरल बनाए जाने के लिए इन संरचनाओं का पुर्नरोद्धार, जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण किया जाकर उपयोगी तथा यथासंभव आर्थिक रूप से उपयोगी बनाए जाने की कार्ययोजना प्रस्तावित की गई है

तालाब पर किया गया श्रमदान

अभियान के अंतर्गत जिले की सबसे बड़ी जल संरचना- तालाब के रूप में प्रसिद्ध हिरनखेड़ा तालाब पर श्रमदान का कार्यक्रम किया गया, कार्यक्रम में उपसरपंच अभय गौर , वरिष्ठ नागरिक गौतम गौर , सुरेश गौर, शेख जमीर, अतुल साध, माखनलाल साध, रघुवीर हरियाले,मुकेश गौर, अतुल साध, संजय गौर,रजत सोनी, अंकित गौर,जयदीप गौर, संजय गौर, विपुल सोनकिया, हेमंत साध, अशोक गौर, मोना अग्रवाल, विपत भारती ज्ञानचंद मेहरा राकेश कुशवाहा, संजय लौवंशी, मोहन विश्वकर्मा,संजू गोस्वामी, आशीष गोस्वामी,शासकीय माध्यमिक स्कूल के शिक्षक रविंद्र चौधरी, राजाराम दामडे, देवचंद गोहिया, उर्मिला पाटिल एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विनीता साध,कीर्ति गोस्वामी, सहायिका प्रीती लौवंशी, ग्राम कोटवार ज्ञानचंद मेहरा आदि उपस्थित रहें।

तालाब किनारे किया वृक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तालाब की पार पर जनपद सीईओ श्रुति चौधरी एवं मनरेगा अधिकारी श्री नागर द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

जल स्रोत के संरक्षण हेतु 16जून तक चलाया जा रहा विशेष अभियान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

उच्च अधिकारी के निर्देशन एवं शासन द्वारा प्राप्त निर्देशों अनुसार मुख्य नगर पालिका अधिकारी हिमेश्वरी पटले के नेतृत्व में आज सेठानी घाट पर पर्यावरण दिवस के रूप में घाटों की सफाई एवं गंदगी हटाने के लिए श्रमदान कार्यक्रम रखा गया कार्यक्रम में जिला कोर्ट से विधिक सहायता अधिकारी अंकित शांडिल्य उनकी सदस्य टीम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से रीजनल ऑफिसर प्रवीण कोठारी एवं सदस्य टीम डॉ. मयंक तोमर, साक्षरता ब्रांड एंबेसडर (जिला शिक्षा केंद्र सिक्योरिटी पेपर मिल के सीआईएसएफ जवान एवं नगर पालिका के सीनेटरी इंस्पेक्टर कमलेश तिवारी बृजेश सरवान सतीश यादव गगन सोनी शेख सिकंदर अनूप बुदौलीया नवल रोहित बडगूजर अधिकारी कर्मचारी की मौजूदगी में लोगों को मां नर्मदा को साफ स्वच्छ बनाए रखने के लिए समझाइश दी गई मां नर्मदा में साबुन शैंपू का उपयोग न करने एवं पॉलीथिन उपयोग न करने एवं पॉलीथिन प्रतिबंध हेतु पंपलेट स्टीकर के माध्यम से व्यापारी बंधुओ आम नागरिकों को पॉलिथीन उपयोग से होनी वाली पर्यावरण क्षति से अवगत कराया साथ ही मां नर्मदा घाट पर श्रमदान के द्वारा साफ स्वच्छ बनाया गया मुख्य नगर पालिका अधिकारी हिमेश्वरी पटले द्वारा बताया गया कि जल स्त्रोतों तथा नदी तालाब कुआ बावड़ी अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण पुनर्जीवन हेतु 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान का संचालन किया जा रहा है स्वच्छता निरक्षक कमलेश तिवारी द्वारा बताया गया कि शहर को पॉलीथिन प्रतिबंध मुक्त करने हेतु निकाय के अधिकारी कर्मचारी की गठित दल द्वारा प्रतिदिन जप्ती जुर्माना की कार्रवाई की जा रही है जिसमें आज इंदिरा चौक क्षेत्र से 10 किलो पॉलिथीन एवं 800 रूपये का जुर्माना वसूल किया गया।

पैसा लेने एवं गलत इंजेक्शन लगाने वाला वार्ड बॉय निलंबित

2 को कारण बताओ नोटिस

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय द्वारा भेजे प्रस्ताव दिनांक 31 मई 2024 के अनुसार पुरुषोत्तम पगारे जिला चिकित्सालय द्वारा दिनांक 29 मई 2024 को ईटेट वार्ड में शकुन यादव को माखननगर से रेफर कर जिला चिकित्सालय इलाज हेतु भेजा गया था इलाज के दौरान पुरुषोत्तम पगारे वार्ड बॉय के द्वारा मरीज से रूपये 200 लेने एवं गलत इंजेक्शन लगाने एवं मृत्यु होने के कारण शिकायत की गई थी, इस संबंध में सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय के द्वारा इसके पूर्व 11 मई 24 को मृतकों के पोस्टमार्टम हेतु स्ट्रेचर ले जाने के संबंध में भी कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था किंतु संबंधित वार्ड बॉय द्वारा प्रातः कालीन ड्यूटी में अनुपस्थित रहने एवं पूर्व में भी इनके द्वारा नर्सिंग स्टाफ से अभद्रता की शिकायत की गई थी। पुरुषोत्तम पगारे वार्ड बाय जिला चिकित्सालय को उक्त कृत्य सिविल मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के विपरीत पाए जाने के कारण मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियम नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियम 9 के द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है एवं निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पचमढ़ी नियत किया गया है तथा नियमानुसार उ?हें जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा, इसके साथ ही जिला अस्पताल में पदस्थ मुकेश राजुरकर लेब अटेंडेंट तथा श्रवण गौर मेस सर्वेंट को कार्य में लापरवाही बरतने पर सीएमएचओ द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किये गये है जिनका जवाब संतोषप्रद ना मिलने पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

आईटीआई में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन 10 जून तक

रायसेन । मध्यप्रदेश के साथ ही रायसेन जिले की समस्त शासकीय आईटीआई में विभिन्न व्यावसायिक पाठयक्रमों में प्रवेश हेतु पंजीयन प्रारंभ हैं। प्रवेश हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 10 जून 2024 तक बढ़ा दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी इंटरनेट के माध्यम से अपने स्तर पर अथवा ऑनलाईन सहायता केन्द्रों के माध्यम से विभाग के पोर्टल पर 10 जून 2024 तक पंजीयन एवं च्वाईस फिलिंग करा सकते हैं। आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने हेतु पंजीयन एवं च्वाईस फिलिंग करना अनिवार्य है। समस्त इच्छुक आवेदक पोर्टल पर पंजीयन एवं च्वाईस फिलिंग अवश्य करें। रायसेन जिले में संचालित 06 शासकीय आईटीआई रायसेन, मंडीदीप, देवरी, गैरतगंज, बेगमगंज एवं सिलवानी में विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदाय किया जाता है। प्रवेश से संबंधित समस्त जानकारी ष्ठस्ष्ठ पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिये नजदीकी शासकीय आईटीआई से संपर्क किया जा सकता है।

संभागीय संयुक्त संचालक ने किया आंगनबाड़ी केन्द्रों का औचक निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

संभागीय संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम एचके शर्मा ने बुधवार को आंगनबाड़ी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। श्री शर्मा ने महिला एवं बाल विकास परियोजना-नर्मदापुरम ग्रामीण में संचालित आंगनबाडी केन्द्र जासलपुर-3 एवं जासलपुर-2 का निरीक्षण किया ।

श्री शर्मा ने निरीक्षण के दौरान संबंधित आंगनबाडी कार्यकर्ताओं से आंगनबाडी केन्द्र संचालन एवं हितग्राहियों को प्रदाय की जा रही आईसीडीएस की सेवाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी ली गई। श्री शर्मा ने माह मई-2024 में आयोजित किये गये शारीरिक माप अभियान अंतर्गत् चिहिन्त किये गये SAM एवं MAM बच्चों के संबंध में जानकारी ली । आंगनबाडी केन्द्र जासलपुर-02 में चिन्हित 01 SAM एवं आंगनबाडी केन्द्र जासलपुर-03 में चिन्हित 03 SAM बच्चों को मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम कार्यकम में पंजीकृत कर निर्धारित प्रोटोकाल अनुसार पोषणात्मक उपचार करने तथा आवश्यकतानुसार एनआरसी में भर्ती करने के निर्देश दिये । संयुक्त संचालक द्वारा प्रति माह बच्चों का सही-सही शारीरिक माप लेने तथा शुद्ध व सटीक ऑकड़े पोषण ट्रेकर एप में दर्ज करने हेतु निर्देश दिये गये। आंगनबाडी केन्द्र में टी0एच0आर0 की निरंतरता बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाडी

कार्यकर्ता को नियमित रूप से समय पर आंगनबाडी केन्द्र खोलने एवं बच्चों को निर्धारित मीनू अनुसार समय पर गर्म ताजा पका नाश्ता / भोजन प्रदाय करने तथा समस्त पात्र हितग्राहियों को आईसीडीएस की सेवाओं से लाभांवित करने हेतु निर्देशित किया।

ईव्हीएम मशीनों को मतगणना उपरांत वेयर हाउस में जमा किया

राजनीतिक दलों की उपस्थिति में बंद किया वेयरहाउस

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की मतगणना संपन्न होने के उपरांत लोकसभा संसदीय क्षेत्र 17-होशंगाबाद के लोकसभा चुनाव 2024 में उपयोग में प्रयुक्त ई.व्ही.एम.मशीनों को मतगणना उपरांत आई.टी.आई. स्थित स्ट्रांग रूम से कलेक्टर परिसर के तवा भवन स्थित ई.व्ही.एम. वेयर हाउस में जमा किया गया एवं वेयर हाउस को राजनैतिक दलों की उपस्थिति में बंद किया गया। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना, डी.के. सिंह उप जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम, के.एस. मिर्धा नोडल अधिकारी ई.व्ही.एम. प्रबंधन एवं कार्यपालन यंत्री ग्रायासे, एस.के. तिवारी सहायक रिटर्निंग अधिकारी पिपरिया, श्रीमती नीता कोरी सहायक रिटर्निंग अधिकारी होशंगाबाद, श्रीमती सरोज परिहार, सहायक रिटर्निंग अधिकारी सिवनीमालवा, जय सिंह सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर नर्मदापुरम, नीतेश उईके जिला कोषालय अधिकारी नर्मदापुरम, विभिन्?न राजनैतिक दलो के प्रतिनिधि अनोखी लाल राजोरिया , मनीष परदेशी , कैलाश दुबे चुनाव पर्यवेक्षक एवं अन्य अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

वृक्षारोपण सहित अनेक कार्यक्रम संपन्न हुए

नर्मदा कॉलेज में 'हमारी भूमि हमारा भविष्य' नारे के साथ मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदा कॉलेज में एन सी सी और ईको क्लब के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया ।जिसकी थीम ÷भूमि का पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता÷ तथा नारा %हमारी भूमि, हमारा भविष्य% रहा । कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने कॉलेज कैंपस की साफ सफाई कर वृक्षारोपण किया और संकल्प लिया कि ऐसा कोई भी कार्य और सामग्री का उपयोग नहीं करेंगे जिससे पर्यावरण और जीव जंतुओं को नुकसान पहुंचे। इस मौके पर प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने विद्यार्थियों से कहा कि इस वर्ष की थीम का मतलब है कि जहां भी बंजर जमीन या सूखा है वहां ऐसा काम करें कि उसके प्रभाव को कम किया जा सके, ताकि उस जमीन को उपयोगी और पुनः उपजाऊ बनाया जा सके। बिजली, पानी, ईंधन की खपत कम कर प्राकृतिक संसाधनों को बचायें। अधिक से अधिक पेड़ लगायें जिससे ऋतु चक्र के असंतुलन को कम किया जा सके।डॉ यास्मीन खान ने भी विद्यार्थियों को पेड़ लगाने उनकी देखभाल करने और उपहार स्वरूप पौधे देने की आदत बनाने की आवश्यकता जाहिर की ?ताकि धरती पर वृक्षारोपण होता रहे ।डॉ कमल वाधवा, डॉ रवि उपाध्याय ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। डॉ एस सी हर्ने, डॉ हंसा व्यास,डॉ एन आर अडलक, अरुण शर्मा,मुकेश द्विवेदी सहित अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। कुमकुम ,स्वेच्छा, रश्मि रोशनी ,दुर्गा उइके, विजय, आहुति, प्रियंका ,प्रियांबिका जाट सहित अनेक विद्यार्थीयों ने कार्यक्रम में सहभागिता कर पर्यावरण को हरा भरा बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

पार्षद ने वार्डवासियों संग किया पौधारोपण- आम और बील के पौधे लगाए

इटारसी। बुधवार को पर्यावरण दिवस के अवसर पर वार्ड क्रमांक 8 में वार्ड पार्षद ने पार्टी पदाधिकारी, महिला स्व-सहयता समूह और वार्डवासियों के साथ पौधारोपण किया। टेलीफोन एक्सचेंज के सामने पार्षद ज्योति राजकुमार बाबरिया, भाजपा जिला मंत्री ममता मालवीय, अल्पसंख्यक मोर्चा नगर उपाध्यक्ष मुमताज बी, अनिता सैनी, शशांक मालवीय, शांति कोरी, शांति माधव, स्वप्निल बोरासी, मुंद्रा, शोभा, सुनंदा, सुजीत केवट, राजकुमार बाबरिया सहित अन्य ने मिलकर आम और बील के फलदार पौधे लगाए। सुरक्षा की दृष्टि से इन पौधों पर ट्री गार्ड भी लगाए गए। इस दौरान पार्षद ज्योति राजकुमार बाबरिया ने सभी से अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने और उनकी देखरेख करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधारोपण का उद्देश पर्यावरण को बचाना है। पेड़ पौधे प्रकृति का उपहार हैं। वार्ड में पौधारोपण करने का कारण वार्ड को स्वस्थ और हरा-भरा रखना है।

बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपियों को 25 वर्ष सश्रम कारावास 4000 रू. का अर्थदण्ड

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) जिला विदिशा ने बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले दो आरोपी निवासी अंतर्गत थाना सिरोंज को भा.द.सं. की धारा 376 (डी) में 25-25 वर्ष सश्रम कारावास एवं कुल 4000 रूपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया। प्रकरण में पैरवी जिला लोक अभियोजन अधिकारी जे.एस. तोमर एवं सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी / विशेष लोक अभियोजक श्रीमती प्रतिभा गौतम द्वारा की गई।

अभियोजन का मामला यह है कि, अभियोक्त्री के पिता द्वारा थाना सिरोंज में इस आशय की गुमइंसान रिपोर्ट दर्ज कराई कि, उसकी सबसे छोटी लड़की पीड़िता जो करीबन 03 माह पहली अपने मामा के घर से बिना बताए कहीं चली गई थी जिसकी रिपोर्ट नटेरन थाने में की गई थी, करीब डेढ़ महीने बाद नटेरन पुलिस ने उसकी लडकी ढूंढ ली थी, तब उस समय उसकी लड़की ने उनके साथ रहने से मना कर दिया था इसलिए उसे नारी निकेतन भोपाल भेज दिया था तब से उसकी लड़की वहीं रह रही थी फिर करीब 12 दिन पहले उसने बाल कल्याण समिति में आवेदन देकर पीडिता को अपने घर लेकर आ गया था, तब से वह उसके साथ रह रही थी। दिनांक 18.11.2022 के रात 10 बजे वह खाना खाकर घर के बाहर दहलान में सो गया था। पीड़िता अपनी माँ के साथ अंदर सो रही थी, सुबह करीब 5 बजे उसकी पत्नि ने उसे बताया कि पीड़िता अपने बिस्तर पर नहीं है बिना बताए कहीं चली गई है। फिर पीडिता के पिता ने पीडिता की तलाश आसपास गांव व रिश्तेदारों में की जिसका कोई पता नहीं चला। उक्त पर से गुमइंसान रिपोर्ट थाना सिरोंज में दर्ज की गई। उक्त रिपोर्ट पर से अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस द्वारा प्रकरण विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपीगण की पहचान की गई। उक्त प्रकरण में विवेचना एस.डी.ओ.पी. उमेश तिवारी सिरोंज द्वारा की गई। विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया गया। विशेष लोक अभियोजक के तर्कों से सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपीगणों को सजा सुनाई गई।

एलबीएस कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस पर हुई कार्यशाला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बुधवार को शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 14 एमपी बटालियन विदिशा के सहयोग से महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यशाला आयोजित की गई।इस अवसर पर पौधारोपण कर वाटिका में लगे पौधों को पानी दिया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ लालचंद्र राजपूत एवं एनसीसी अधिकारी लेप्टिनेंट प्रो महेश भाबोर द्वारा विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरुक किया। ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ते हुए खतरों के बारे में आगाह किया गया। कार्यशाला के माध्यम से संदेश दिया गया कि पर्यावरण का रखरखाव करते हुए प्रकृति का संरक्षण करना आप हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर 14 एमपी बटालिया विदिशा से पीआई स्टाफ, एनसीसी कैडेट्स सर्जेंट आदर्श सिंह द्वारा पौधा लगाने की पहल की । कार्यशाला में एनसीसी कैडेट्स एवं अन्य विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में एनसीसी के विद्यार्थी आदि मौजूद थे।

सिरोंज की बेटी ईशा ने नीट परीक्षा पास की

सिरोंज । बैटी ईशा फैज़ खान जो की रॉयल मेडिकल संचालक जुनैद खान की भांजी हे ने एमबीबीएस की प्रवेश परीक्षा 620 अंक के साथ उत्तीर्ण कर सिरोंज का नाम रोशन किया है ईशा का ये दूसरा प्रयास था ईशा की सफलता पर लोगो ने उन्हें और उनके माता पिता को बधाई दी है

अमृत सरोवर योजना के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च फिर भी गांवों में पानी का संकट

अमृत के लिए तरस रहे सरोवर पानी की जगह उड़ रही धूल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कई दिनों से तेज धूप, गर्म हवाओं के थपेड़े लोगों को झुलसा रहे हैं। हर हलक को गला तर करने के लिए पानी की जरुरत है। तो वहीं अमृत सरोवर योजना के नाम पर करोड रुपए खर्च होने के बावजूद भी गांवों स्थिति वद से बत्तर है। केंद्र सरकार ने तालाबों का स्वरूप बदलने और हमेशा गांवों में निस्तार के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराने, भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने महात्वाकांक्षी योजना अमृत सरोवर योजना शुरू की गई। इस योजना में खामी कहें या फिर निगरानी का अभाव या फिर गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य, कि अधिकांश सरोवरों में अमृत रूपी पानी दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा। जिन सरोवरों को पानी से लबालब रहना चाहिए, उन सरावरों में धूल उड़ रही है। मिली जानकारी के अनुसार जनपद क्षेत्र की 24 ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर योजना के तहत तालाबों का निर्माण कराया गया है, अधिकारियों की माने तो 24 में से 21 अमृत सरोवर बनकर तैयार हो चुके हैं तो वही तीन में थोड़ा बहुत काम बचा है। लेकिन वर्तमान इन अमृतसर सरोवरों को वर्षा के अलावा पानी भरने की व्यवस्था नहीं की गई है। जिसके चलते गर्मी में अधिकांश तालाब सूख गए। केंद्र सरकार ने जलस्तर को बनाए रखने एवं बारिश के पानी के संरक्षण के लिए सरकार की ओर से अमृत सरोवर योजना लागू की थी। इस योजना के तहत विकास खंड की 93 ग्राम पंचायतों में से दीकनाखेडा, दामोदरखेड़ी, उनारसीताल, कांजीखेडी, सोना, बडोदाताल, भियांखेड़ी आदि 24 ग्राम पंचायतों में तालाबों का निर्माण कराया गया। शासन ने तालाब की खुदाई के साथ वहां पौधों का रोपण कराया। तालाब में उतरने के लिए सीढ़ियों का भी निर्माण कराया गया। राष्ट्रीय पर्वों पर ध्वजारोहण की भी व्यवस्था की गई। इतना सब होने के बाद भी तालाबों को भरने की व्यवस्था नहीं की गई। तालाबों को भरने के लिए बारिश के पानी के सहारे की छोड़ दिया गया। इन तालाबों में अन्य तरह से पानी न आने से अधिकांश तालाब सूख गए।

यह है सरोवर निर्माण का उद्देश्य

जल संरक्षण के उद्देश्य से ही इन अमृत सरोवरों का निर्माण हुआ है। मनरेगा विभाग द्वारा निर्मित इस अमृत सरोवर में एक बूंद पानी का सृजन नहीं हो सका है। जिसके चलते यह अमृत सरोवर मृत समान लग रहे हैं। जल स्तर बढ़ाने, जलीय जीव-जंतु के पानी की उपलब्धता, मवेशियों से लेकर आम आदमी को भी यह अमृत सरोवर कोई लाभ नहीं दे पा रहे। सरोवर की मेड़ों पर पौधे लगाने का कार्य भी नहीं हो पाया। अमृत तुल्य जल उपलब्ध कराने, मछली पालन से रोजगार उपलब्ध कराने, सिंचाई आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्यों को लेकर शुरू हुए अमृत सरोवरों का निर्माण का लाभ गांव के लोगों को नहीं मिल पा रहा है।

4 करोड़ से अधिक की राशि खर्च, फिर भी अमृत सरोवर खाली

सिरोंज विकासखंड में अमृत सरोवर योजना के तहत करीब सवा चार करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की जा चुकी है, लेकिन एक भी अमृत सरोवर में वर्तमान स्थिति में पानी नहीं है। शासन ने अमृत सरोवर तालाबों के लिए गांव में ऐसी जगह निर्माण करने के लिए आदेशित किया था। जहां जहां पर बारिश के पानी के साथ-साथ नहर या अन्य जगह से भी पानी तालाब की ओर आ सके, लेकिन जनपद में बैठे जिम्मेदारों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जिसके कारण आज सिरोंज जनपद के अंतर्गत बनाए गए 24 अमृत सरोवर में से किसी में भी पानी नहीं है। जबकि ग्राम पंचायत द्वारा निर्माण कार्य की राशि तो पूरी निकाल ली है पर काम आज भी आधा अधूरा ही है। हैरान कर देने वाली बात तो यह है कि लगभग 19 लाख रुपए की लागत से बनने वाले अमृत सरोवरो में 19 लीटर पानी भी नहीं है क्योंकि संरचना निर्माण कार्य के दौरान एक्सपर्ट द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

24 अमृत सरोवर जिनमें से चार प्रगतिशील

सिरोंज जनपद पंचायत के अंतर्गत 24 अमृत सरोवर तालाब स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 20 अमृत सरोवर कंप्लीट हो चुके हैं। जिसमें सरैखों, संतोषपुर, करैयाहाट, नेकान, इमलानी, दीकनाखेडा, दामोदरखेड़ी, उनारसीताल, कांजीखेडी, सोना, बडोदाताल, भियांखेड़ी, बांसखेड़ी अस्पाल, खेजडागोपाल, प्यासी, करईखेडा, घुटुआ, विशेपुर, कांजीखेडी, रिनिया जो वर्तमान में कंप्लीट है लेकिन पूर्ण हो चुके अधिकांश इन अमृत सरोवर में भी पानी नहीं है। वही जनपद के जिम्मेदारों का कहना है कि अनूपपुर, कचनारिया, सालपुरकलां, झूकरहोज प्रगतिशील है जो जल्द ही पूर्ण होनेवाले हैं। लेकिन बाबूजी देश के स्थिति वद से बत्तर है। शासन के करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद भी सरकार की महत्वपूर्ण योजना जमीनीस्तर पर दम तोड़ती हुई दिखाई पड़ रही है।

इनका कहना है -

अमृत सरोवर योजना बहुत ही महत्वपूर्ण और उत्कृष्ट योजना है, इस बार बारिश कम हुई थी।। इस कारण से कुछ तालाबों में अभी पानी नहीं है। इस बार अच्छी बारिश होगी तो गांवों में जलस्तर बढ़ने के साथ साथ लोगों को इनका लाभ भी मिलेगा। -

***वंदना शर्मा,** सीईओ*

पानी की मोटर केवल चोरी करने वाले तीन चोरों को किया गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

राय साहब के टपरा निवासी फरियादी हरदा बंजारा ने मुगलसराय थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी की अज्ञात चोर उसके घर के बाहर से अल्टीनेटर व केवल चोरी कर ले गए है। जिस पर मुगलसराय पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 379 भादवि के तहत मामला पंजीकृत कर जांच पड़ताल शुरू की थी। जांच पड़ताल के दौरान देवपुर की घाटी के पास से युक्त चोरों को पकड़ने में पुलिस ने सफलता हासिल कि है। मुगलसराय थाना प्रभारी लखन सिंह साहू ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर हमने दविस देकर भिंदर उर्फ विंदर पिता बडा रजव पारदी 42 साल निवासी ग्राम उनादी थाना गुनगा जिला भोपाल, रविकरण पिता अमरजीत पारदी 19 साल, वाहिद पिता ममतालाल पारदी निवासी ग्राम बंदीपुर थाना आनंदपुर को पकड़ा है। पूछताछ पर तीनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बताया कि उनके पास रखे अल्टीनेटर व केवल के संबंध में पूछताछ की तो उक्त आरोपीगणों ने

अल्टीनेटर व केवल घाटी के ऊपर घर से चोरी करना वताया है जिस पर चोरी किए गए समान को वरामद कर लिया है।

शर्मा अल्पप्रवास पर पहुँचे, सभा को सम्बोधित किया

इटारसी। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के संयुक्त महामंत्री आर के शर्मा अल्प प्रवास पर बुधवार को इटारसी पहुँचे। सर्व प्रथम रेलवे स्कूल के फुटबॉल मैदान पर रेलवे खिलाड़ियों, यार्ड के युवा कर्मचारियों ने उनका पुष्प मालाओं से स्वागत किया,इसके पश्चात ईसीसी बैंक के चुनाव को लेकर स्टेशन लॉबी के सामने ऑल इंडिया एससी एसटी एसोसिएशन एवं तिरंगा झंडा यूनियन के संयुक्त तत्वाधान में सभा का आयोजन किया गया। जिसका मंच संचालन राजेश गौर द्वारा किया गया, सैकड़ो रेलवे युवा कर्मचारियों ने सभा में सम्मिलित होकर संयुक्त पैनल को जीतने का प्रण लिया,अपने उद्बोधन में आरके शर्मा ने कहा कि 100 साल पुरानी लाल झंडा यूनियन के द्वारा ईसीसी बैंक संचालित की जा रही है, जिसमें अरबो रुपए सस्पेंस अकाउंट में है। लाल झंडे के शीर्ष नेताओं के बच्चों को ही उसमें नौकरी प्रदान की जा रही है,जो गवाह के बिना लोन नहीं देती है और कई मुद्दों पर शर्मा द्वारा प्रकाश डाला गया। सभा को संतोष चतुर्वेदी मुख्य शाखा के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी ने भी संबोधित किया।

मेट्रो एंकर

चोरी की घटनाओं पर पुलिस नही लगा पा रही अंकुश

सूने मकान से नगदी सहित जेवरात ले उड़े चोर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

थाना अंतर्गत रावजीपुरा स्थित एक मकान को चोरो ने अपना निशाना बनाया है जिसमें नगदी सहित लाखों के जेवरात चोर उडा ले गये है । मिली जानकारी के अनुसार रावजीपथ निवासी रईस खां ने बताया कि रात करीब 12.30 बजे हम लोग खाना खाकर परिवार सहित अपने अपने कमरे मे सो गये थे । मेरा घर पीछे से खुला हुआ है उपर का कमरा भी खुला हुआ है उसमे दरवाजा भी नही है । सुबह 6.30 बजे मेरी पत्नि ने उठकर देखा कि पेटी का सारा सामान बिखरा पडा हुआ था तों पेटी को चेक किया तों उसमे रखी सवा तोला सोने की वजट्टी 7 पत्ती सोने का हार चांदी के हाथ के कडे पायले एक जोड चांदी की 5 नग चांदी के बिछिया व 1 सोने की लोग व नगदी बीस हजार रूपये नही थे । कोई अज्ञात व्यक्ति सोने चांदी के गहने व नगदी बीस हजार रूपये चोरी करके ले गये । मामले की जानकारी लगते ही सिरोंज पुलिस घटना स्थल पर पहुँची और मामले को बारीकी से देखा । वही जिले से आई एफएसएल की टीम व डॉग स्कॉड की टीम ने भी घटना स्थल को देखा और जांच पडताल की है । चोरी की घटना की रिपोर्ट सिरोंज थाने मे दर्ज कर ली गई है और आरोपी की तलाष सरगर्मी से की जा रही है ।

पूर्व की चोरियों का नहीं हुआ खुलासा

गौरतलब हो कि गत वर्ष में हुई लगातार चोरियां में सिरोंज पुलिस को सफलता प्राप्त नही हुई है लगातार षासकीय कार्यालय में से दो पाहिया वाहन चोरी हो रहे है लेकिन पुलिस को वाहनो को पकडने में कोई सफलता प्राप्त नही हुई है । देखा जाए कि इस वर्ष कई दो पाहिया मोटर साईकिल चोरी हो चुकी है जिसमे अभी तक पुलिस को सफलता प्राप्त नही हुई है । वही सिरोंज पुलिस की कार्याप्रणाली पर सवाल खडे हो रहे है ।

पुलिस एसडीओपी के सतत मार्गदशन में क्या पुलिस को मिलेगी चोरियां पकड़ने में सफलता

पुलिस एसडीओपी उमेश तिवारी की कार्याप्रणाली की चर्चा तों पूरे नगर मे होती रहती है स्वयं ही नगर में भ्रमण पर निकलकर जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं का निराकरण तों करते ही रहते है और कई बडे अपराधों मे एसडीओपी के मार्गदर्शन में सिरोंज पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है । लेकिन देखना अब यह होगा कि एसडीओपी उमेश तिवारी के मार्गदर्शन में सिरोंज पुलिस को कब तक चोरी को पकडने में प्राप्त होती है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा भोपाल

दूरभाष नं. 0755-2677317, 2443260 Email-pskoshefizabpl@gmail.com

क्रं/थाप्र/कोहे/भो/डी- गुम. क्रं- 27/24 दिनांक 05-06-24

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना कोहेफिजा के गुम .ई. क्रं. -27/2024 के गुम. ई शिवानी बैरागी पति संतोष बैरागी उम्र 30 साल निवासी गली नं. 03 बरैला गांव कोहेफिजा भोपाल- रंग गोरा, कद 5 फीट 2 इंच, जो चूड़ी , पायल, हरि साड़ी व मंगलसूत्र पहने है।

अतः उक्त - गुम. ई. क्रं. -27-2024 उम्र 30 साल के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो कृपया कर थाना प्रभारी कोहेफिजा भोपाल के मोबाईल नंबर 9479990583 या जांचकर्ता के मोबाईल नंबर 7049105590 पर या ऑफिस के नंबर 9479990687 तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना कोहेफिजा, भोपाल

G-11222/24

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान ने कहा, यह मेरे करियर का सबसे अहम मुकाबला

फीफा विश्व कप क्वालीफायर

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय टीम जब गुरुवार को साल्ट लेक स्टेडियम में कुवैत के खिलाफ फीफा विश्व कप के दूसरे राउंड का क्वालीफायर मैच खेलने के लिए उतरेगी तो यह उसके कप्तान सुनील छेत्री के करियर का सबसे बड़ा मैच होगा। 39 वर्षीय छेत्री के करियर का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच है। ऐसे में टीम अपने कप्तान को जीत का तोहफा देना चाहेगी। वहीं, छेत्री अपने आखिरी मैच को भी यादगार बनाना चाहते हैं और अच्छा प्रदर्शन करके टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। लेकिन इसके लिए भारतीय टीम को दमदार प्रदर्शन करना होगा।

विदाई मैच खेलने उतरेंगे कप्तान छेत्री, कुवैत के खिलाफ भारत को जीत की दरकार

कप्तान छेत्री बोले, मेरी नजरें सिर्फ जीत दर्ज करने पर

आखिरी मैच खेलने जा रहे कप्तान सुनील छेत्री ने कहा कि उनका ध्यान इस बात पर नहीं है कि यह उनका आखिरी मैच है, उनका ध्यान सिर्फ जीत पर है। उन्होंने कहा, यह जीत हमें तीसरे राउंड में पहुंचने का मौका देगी, जो पहले कभी नहीं हुआ। हम कल जरूर जीतेंगे। इस मैच के बाद मैं अच्छे सूट पहनकर भारतीय टीम के मैच देखा करूंगा। टीम जहां भी जाएगी, मैं उनके साथ जाया करूंगा। भारतीय टीम के कोच स्टिमैक ने कहा, गुरुवार को हमारे पास करोड़ों भारतीयों को खुश करने का मौका है। यह मेरे करियर के सबसे बड़े मैचों में से एक है। जब मैं भारतीय टीम का कोच बना था, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरा भावनात्मक तौर पर जुड़ाव होगा, लेकिन मैं आज खुद को एक भारतीय जैसा महसूस कर रहा हूं।

मेजबानों का मनोबल बढ़ा हुआ

खास बात यह है कि मेजबान भारतीय टीम कुवैत के खिलाफ इस घरेलू मुकाबले में बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी। पिछले मुकाबले में भारतीय टीम ने कुवैत को उसी के घर में शिकस्त दी थी। इस कारण भारतीय टीम अपने घर में भी जीत का सिलसिला कायम रखना चाहेगी।

तीसरे राउंड में पहुंचने का मौका

भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इस मैच में जीत के साथ ही उसकी पहली बार तीसरे राउंड में जगह पक्की हो जाएगी। चार-चार टीमों के नौ ग्रुप में से शीर्ष दो टीमें ही क्वालिफिकेशन के तीसरे चरण में पहुंचेगी। फीफा विश्व कप का आयोजन 2026 में अमरीका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप: रियाजत ने खेली 33 रन की मैच विनिंग पारी

लो स्कोरिंग थ्रिलर में जीता युगांडा, पापुआ न्यू गिनी को 3 विकेट से हराया

नईदिल्ली, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप में गुरुवार को युगांडा और पापुआ न्यू गिनी के बीच मुकाबला खेला गया। अपना पहला टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही युगांडा ने टूर्नामेंट का पहला मैच जीता। टीम ने पापुआ न्यू गिनी को 3 विकेट से हराया। गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में युगांडा ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। पापुआ न्यू गिनी पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.1 ओवर में 77 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में युगांडा ने 18.2 ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेट चेज कर लिया। रियाजत अली शाह ने 35 रन की मैच विनिंग पारी खेली। वहीं, जुमा मियागी ने 14 रन बनाए। वहीं, युगांडा की ओर से अल्पेश रामजानी, जुमा मियागी, कॉसमास क्यवुता और फ्रैंक न्सुबुगा को 2-2 विकेट मिले। पापुआ न्यू गिनी के लिए ऑलराउंडर हिरी हिरी ने सबसे ज्यादा 15 रन बनाए। बॉलिंग में एली नाओ और नॉर्मन वनुआ को 2-2 सफलता मिली।

पापुआ न्यू गिनी की टीम ने लगातार विकेट खोए

पावरप्ले में पीएनजी के बैटर्स ने 3 विकेट खो दिए। टीम को पहला झटका पहले ही ओवर में लग गया। मैच की दूसरी बॉल पर ही अल्पेश रामजानी ने ओमान के कप्तान असद वाला का एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। वहीं, सेसे बाऊ और टोनी ऊरा 1 रन बनाकर आउट हो गए। पहले 4 ओवर में ही टीम के 4 विकेट गिर गए।

मैच का टर्निंग पॉइंट

रियाजत अली शाह और जुमा मियाजी के बीच 35 रनों की अहम साझेदारी ने मैच का रुख युगांडा की तरफ मोड़ दिया। 26 रन पर 5 विकेट हो जाने के बाद पापुआ न्यू गिनी जीत की ओर अग्रसर हो रही थी। हालांकि, शाह और जुमा मियाजी आए और 43 बॉल में 35 रन की साझेदारी कर, युगांडा को टारगेट के पास ला दिया। पापुआ न्यू गिनी के पेसर एली नाओ फाइटर ऑफ द मैच रहे। 77 रन के लो स्कोर को डिफेंड करने के लिए नाओ ने टीम को शानदार शुरुआत दी और पहले और तीसरे ओवर में टीम को सफलता दिलाई। पीएनजी लगातार विकेट खोती रही, टोनी उरा, लेगा सियाका और चार्ल्स अमिनी सभी अपनी टीम के लिए बड़ा स्कोर बनाए बिना ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद फ्रैंक न्सुबुगा ने पापुआ न्यू गिनी को एक और झटका दिया, जब उन्होंने सेट बल्लेबाज हिरी हिरि को 15 रन पर आउट कर दिया। इसके बाद अल्पेश रामजानी ने किप्लिन डोरिगा को 12 रन पर आउट कर दिया। इसके बाद युगांडा ने चाड सोपर, एली नाओ और नॉर्मन वनुआ को आउट कर टीम को 77 रन पर ऑलआउट कर दिया।

युगांडा की पारी- 26 रन पर 5 विकेट खोए, रियाजत-मियाजी ने टारगेट के करीब पहुंचाया

युगांडा के लिए पारी की शुरुआत ठीक नहीं रही। टीम ने पहले 7 ओवर में ही 5 विकेट खो दिए। पापुआ न्यू गिनी के पेसर एली नाओ ने पहले ओवर में ही रोजर मुकासा का विकेट लेकर टीम को सफलता दिला दी। लगातार तीन ओवर में तीन विकेट आए। अल्पेश रामजानी और दिनेश नकरानी ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रामजानी छठे और नकरान 7वें ओवर में पवेलियन लौट गए। टीम का स्कोर 6.3 ओवर के बाद 5 विकेट पर 26 रन हो गया। हालांकि, रियाजत अली शाह और जुमा मियाजी ने पारी संभाली और 35 रन की साझेदारी की। रियाजत 33 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में केनेथ वैसवा (7) और कप्तान ब्रायन मसाबा (0) ने नाबाद रहे।

कोको के खिलाफ 7वीं जीत पर नजर

रौलां गैरो के सेमीफाइनल में चैंपियन स्विटेक कभी नहीं हारीं, अब गॉफ चुनौती देने को तैयार

पेरिस, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन और टॉप सीड इगा स्विटेक ने खेले जा रहे फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब फाइनल में जगह बनाने के लिए स्विटेक का सामना अमरीका की 20 वर्षीय कोको गॉफ से होगी। खास यह है कि रौंला गैरो पर स्विटेक का अंतिम चार में अजेय रेकॉर्ड है। स्विटेक ने महिला एकल के अंतमि आठ में दमदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य की पांचवीं वरीय खिलाड़ी मार्केटा वोंड्रोसोवा को बेहद आसानी से 6-0, 6-2 से शिकस्त दे दी। अमरीकी खिलाड़ी का दमदार रहा प्रदर्शन-इससे पहले, गॉफ ने अंतिम आठ में ट्यूनीशिया की आठवीं वरीय खिलाड़ी ओंस जेब्योर को 6-4, 6-4 से हराया। टूर्नामेंट में तीसरी वरीय गॉफ ने लगातार तीसरी बार किसी ग्रैंड स्लेम के अंतिम चार में जगह पक्की की है। वह इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन और पिछले साल यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। स्विटेक फ्रेंच ओपन के

दिग्गज की निशानी: पेरिस में आज होगी नीलामी

पेरिस, एजेंसी

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना की 1986 विश्व कप की गोल्डन बॉल ट्रॉफी अगले महीने पेरिस में नीलाम की जाएगी। माना जा रहा है कि ये नीलामी कई रेकॉर्ड तोड़ देगी और ट्रॉफी करोड़ों रुपए में बिकेगी। 6 जून को पेरिस में होने वाली इस नीलामी के लिए बोली लगाने वालों को पहले करीब 1.30 करोड़ रुपए जमा कराने होंगे। माराडोना का 2020 में निधन हो गया था। महान फुटबॉलर माराडोना की गोल्डन बॉल ट्रॉफी करोड़ों में बिकने की उम्मीद है।

मेट्रो बाजार

एअर इंडिया ने फेयर लॉक फीचर पेश किया, ग्राहक किराया लॉक कर सकेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

टाटा ग्रुप की एयलाइन एयर इंडिया ने फेयर लॉक फीचर पेश किया। इसके जरिए ग्राहक 48 घंटों के लिए उनकी ओर से सिलेक्ट किए गए किराए को लॉक कर सकेंगे। हालांकि, इसके लिए उन्हें 500 से 1500 रुपए देने होंगे। एयरलाइन ने आधिकारिक बयान में कहा, इससे ग्राहकों को किराए में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव से बचने में मदद मिलेगी। सर्विस की बुकिंग की तारीख से कम से कम 10 दिन दूर के फ्लाइट ऑप्शन के लिए ही ये सर्विस उपलब्ध है। इस सुविधा के लिए ग्राहकों को अपना पसंदीदा फ्लाइट ऑप्शन चुनना होगा और बुकिंग फ्लो में फेयर लॉक ऑप्शन सिलेक्ट करना होगा। इसके बाद नॉन-रिफंडेबल फीस देनी होगी। ग्राहक बाद में मैनेज बुकिंग ऑप्शन से अपनी बुकिंग पर लौट सकते हैं। फेयर लॉक के लिए दी गई फीस नॉन रिफंडेबल है और इसे फ्लाइट किराए में एडजस्ट नहीं किया जा सकता है। एअर इंडिया बदलाव के दौर से गुजर रही है। कंपनी ने पिछले साल अगस्त में नया लोगो और लिवरी अनवील की थी। इसके बाद अक्टूबर-2023 में एअर इंडिया एक्सप्रेस का नया लुक दिखाया था। फिर कंपनी ने दिसंबर-2023 में अपने कर्मचारियों का ड्रेस कोड बदला था। एअर इंडिया ने घरेलू उड़ानों के लिए अपनी बैगेज पॉलिसी में भी बदलाव किया था। कंपनी की डोमेस्टिक फ्लाइट में न्यूनतम किराए वाली कैटेगरी में अब एक पैसेंजर 15 चत तक का सामान ही ले जा सकते है। पहले केबिन में 20 केजी तक का सामान ले जाने की लिमिट थी। टाटा संस ने एअर इंडिया का टेकओवर किया था। एअर इंडिया के हैंडओवर से पहले टाटा संस के चेयरमैन पीएम नरेंद्र मोदी से मिले थे।

गूगल ने अपनी क्लाउड इकाई से 100 कर्मचारी हटाए

मुंबई, एजेंसी। गूगल के एक प्रवक्ता ने एक ईमेल बयान में कहा, हम अपने ग्राहकों की प्राथमिकताओं और आगे के महत्वपूर्ण अवसरों को पूरा करने के लिए अपने व्यवसाय का विकास जारी रखेंगे। हम उन क्षेत्रों में निवेश करने की अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, जो हमारे व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण हैं और हमारी दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करते हैं। यह रिपोर्ट अप्रैल में विभिन्न टीमों में हुई बड़ी छंटनी के बाद आई है। दिग्गज गूगल कंपनी लागत में कमी के उपायों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस साल की शुरुआत में कंपनी ने अप्रैल में छंटनी का एक दौर अंजाम दिया, जिससे विभिन्न डिवीजनों में अनिर्दिष्ट संख्या में कर्मचारी प्रभावित हुए व लागत में कमी आई। इसके अलावा, जनवरी में, आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच प्रौद्योगिकी व मीडिया क्षेत्रों में नौकरी में कटौती की व्यापक प्रवृत्ति के तहत कंपनी ने अपने सैकड़ों कर्मचारियों की संख्या में कमी की। गूगल के क्लाउड डिवीजन में ताजा छंटनी कंपनी में जारी समायोजन को उजागर करती है क्योंकि यह मौजूदा आर्थिक परिदृश्य को नेविगेट करती है। माइक्रोसॉफ्ट ने अजूरे क्लाउड सेवा इकाई में छंटनी शुरू कर दी है। एज्योर फॉर ऑपरेटर्स और मिशन इंजीनियरिंग समूहों में कटौती के साथ, कई टीमों की नौकरी में कटौती हुई है। एज्योर फॉर ऑपरेटर्स में छंटनी में 1,500 पदों तक शामिल होने की सूचना है। छंटनी के पीछे के विशिष्ट कारणों पर कंपनी ने सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं बताया है। पीड़ित कर्मचारी उस इकाई का हिस्सा हैं, जो क्लाउड कंप्यूटिंग में माइक्रोसॉफ्ट के विस्तार का अभिन्न अंग रहे हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मीनाक्षी करना चाहती हैं दूसरी पारी का आगाज

एक समय था जब मीनाक्षी शेषाद्रि बॉलीवुड में सबसे ज्यादा फीस लेने के लिए मशहूर हुआ करती थीं। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। आज भी फिल्म दामिनी मीनाक्षी के चाहने वालों की पहली पसंद है। उन्होंने बॉलीवुड के तमाम दिग्गज कलाकरों के संग काम किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे पुराने दिनों को याद करती नजर आईं। मीनाक्षी शेषाद्रि अपने करियर के पीक पर हरीश मैसूर से शादी करने के बाद अमेरिका चली गई थीं। अब वे एक बार फिर से भारत लौट आई है और दोबारा फिल्मों में काम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने इंटरव्यू में कहा कि, ‘मेरे लिए अभिनय एक जुनून जैसा है। मैं इसके लिए बिना नहीं रह सकती हूं। वहीं पुराने दिनों को याद करते हुए मीनाक्षी शेषाद्रि कहती हैं, मैं ऋषि कपूर के साथ काफी कम्फर्टेबल महसूस करती थी। वे मुझे बहुत मानते थे। ट्विटर पर मुझे अकाउंट बनाने के लिए उन्होंने ही कहा था।

आज भी ऋषि को करती हैं याद

दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के साथ मीनाक्षी शेषाद्रि ने दामिनी में काम किया था। आज भी दर्शकों को दोनों की लाजवाब केमिस्ट्री याद है। मीनाक्षी शेषाद्रि आगे कहती हैं, ऋषि जी अक्सर मुझे छेड़ते रहते थे। वे हमेशा कहते थे कि मुझे तुम्हारा डांस समझ में नहीं आता है। अपनी दूसरी पारी की शुरुआत करने जा रहीं मीनाक्षी कहती हैं, मैं एक नए सोच के साथ अपनी दूसरी पारी को शुरू करना चाहती हूं। भारत लौटने के बाद मैंने जैकी श्रॉफ से मुलाकात की है।

शेखर सुमन ने 'हीरामंडी' की आलोचना करने वालों को बताया बेवकूफ

शेखर सुमन को अतीत में एक टॉक शो होस्ट के रूप में उनकी हास्य की भावना के अलावा, बहुमुखी किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। अभिनेता ने संजय लीला भंसाली के हालिया रिलीज शो 'हीरामंडी' में भी अपने दमदार अभिनय से खूब तारीफें बटोरी हैं। एक तरफ जहां इस सीरीज को खूब सराहा जा रहा है तो वहीं कुछ लोग इसे लेकर अपनी नाराजगी भी जाहिर कर चुके हैं। इसी को देखते हुए शेखर ने एक हालिया इंटरव्यू में उन लोगों से सवाल किया जिन्होंने महाकाव्य सीरीज की प्रमाणिकता की आलोचना की। साथ ही दावा किया कि पाकिस्तान के लोग इससे ईर्ष्या महसूस कर रहे हैं।

एक हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन से 'हीरामंडी' की आलोचना के बारे में पूछा गया, जिस पर उन्होंने कहा, च्बहुत से बेवकूफ लोग इसे लेकर उपद्रव मचा रहे हैं। इसके बारे में बात कर रहे हैं और ऐतिहासिक सटीकता, प्रमाणिकता और कालक्रम पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन भंसाली साहब अपने डायस्टोपियन गाथाओं के लिए जाने जाते हैं। वह उस दुनिया के लिए जाने जाते हैं जिसे वह बनाते हैं। वह एक कुशल शिल्पकार हैं। वह अपनी दुनिया बनाते हैं और वह है सिनेमा। शेखर सुमन ने अपनी बात में आगे जोड़ा, च्सिनेमा पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए, व्याख्या पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए क्योंकि यह उनका दृष्टिकोण है। उन्होंने वहां से बस संकेत लिया है। उन्होंने आगे बताया, पड़ोसी मुल्क के कुछ लोग हैं जो इस बात को लेकर बहुत ईर्ष्या महसूस कर रहे हैं कि इन्होनें क्यों बना दिया? भाई आप बना लेते और आप हमारी हीरामंडी की चर्चा क्यों कर रहे हैं? हम आपकी फिल्मों पर चर्चा नहीं करते। हमें ये नहीं पता कि आप फिल्में बनाते हैं या नहीं।

स्कूटी पर ग्वालियर में खूब घूमा करते थे कार्तिक, बोले- वहां जमकर मस्ती की

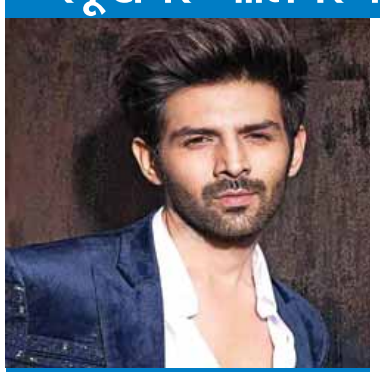

कार्तिक आर्यन ने अपनी आगामी फिल्म 'चंदू चैंपियन' का ट्रेलर अपने गृहनगर ग्वालियर में लॉन्च किया। उनका कहना है कि इस फिल्म से जुड़ा यह उनका सबसे शानदार अनुभव है। इस बहाने उन्होंने ग्वालियर की यादें भी ताजा कीं। कार्तिक अपनी आगामी फिल्म चंदू चैंपियन के प्रचार में जी-जान से जुटे हैं। यह फिल्म इसी महीने रिलीज को तैयार है। इस फिल्म का ट्रेलर कार्तिक के होम टाउन ग्वालियर में एक भव्य इवेंट में लॉन्च किया गया था। हाल ही में न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कार्तिक ने इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया है। इसी के साथ उन्होंने अपने ग्वालियर में बिताए पुराने दिन भी याद किए हैं। बोले- बहुत ज्यादा मेहनत करती पड़ी फिल्म चंदू चैंपियन में कार्तिक आर्यन भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका में हैं। कार्तिक आर्यन ने कहा कि उन्हें फिल्म की कहानी काफी प्रेरक लगी, इसी वजह से वे अपने किरदार के साथ कनेक्ट कर पाए। कार्तिक का कहना है कि कहानी इतनी प्रेरणादायक है कि यह तमाम लोगों को अपने सपने पूरे करने के लिए प्रेरित करेगी। एएनआई से बातचीत में कार्तिक ने कहा, च्इस फिल्म में मुरलीकांत पेटकर की पूरी यात्रा दिखाई गई है। यह एक स्पोर्ट्स फिल्म से कहीं ज्यादा है। इसे बनाने में काफी मेहनत करनी पड़ी है।

कुएं में सफाई करने को लेकर दो पक्षों में विवाद, महिला की नाक पर गंभीर चोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव कड़ैया चंवर में कुएं की सफाई को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद बड़ने पर दोनों पक्षों ने एक दूसरे से मारपीट कर दी। इस मारपीट में धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया व महिला की नाक में हथियार से गंभीर चोट आई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से काउंटर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार संध्या नामदेव पिता गोविंद सिंह नामदेव (20) ग्राम कड़ैया, चंवर में रहती है। उसने छोटे भाई दिव्यांश नामदेव के साथ थाने पहुंचकर शिकायत की कि 3 जून की सुबह मैं अपने घर के छत पर खड़ी थी, तभी पड़ोसी बबलू कुशवाह और उसकी पत्नी ममता बाई, हरगोविंद कुशवाह ,भूपेन्द्र सिंह कुएं पर सफाई कर रहे थे। संध्या के पिता गोविंद नामदेव व मम्मी सुनीता बाई उन्हें समझाने के लिए घर के पीछे खेत पर पहुंचे तो उन्होंने गालीगलौज शुरू कर दी। गालियां देने से मना किया तो भूपेन्द्र ने डंडे से पिताजी से मारपीट शुरू कर दी। हम सभी ने पिता को बचाने का प्रयास किया तो उन्होंने हम लोगों से भी मारपीट की। आरोपियों ने कुल्हाड़ी से हमला किया था। इससे मां की नाक व चेहरे पर चोट आई हैं। पुलिस ने संध्या की शिकायत पर बबलू कुशवाह और उसकी पत्नी ममता बाई, हरगोविंद कुशवाह, भूपेन्द्र सिंह पर मारपीट का मामला दर्ज किया है। इसी प्रकार फरियादी बब्लू (45) कड़ैया चंवर ने शिकायत करते हुए बताया कि वह खेती किसानी करते हैं।

3 जून की सुबह वह घर के पीछे कुएं में काम कर रहा था, तभी पडोसी गोविंद नामदेव, रवि नामदेव, रमेश नामदेव तीनो आये और मुझसे बोले की कुऐ में काम नहीं करोंगे क्योकि हमारे कुएं का पानी चला जाएगा। इसी बात को लेकर गालीगलौज करने लगे। उन्होंने गाली देने से मना किया तो गोविंद नामदेव नें हाथ में लिए डंडे से मेरे साथ मारपीट करने लगा। और रमेश नामदेव ने हाथ मुक्को से मारपीट किया चिल्ला चोट की आवाज सुनकर मेरी पत्नी ममता बाई कुशवाह पहुंची तो वहीं खडी गोविंद नामदेव की पत्नी सुनीता बाई ने उनकी पत्नी ममता बाई के साथ हाथ मुक्को से मारपीट की है।

महिला के साथ मारपीट कर इल्लीमार दवा पिलाने का प्रयास, पति समेत तीन पर प्रकरण

खेत में काम करने को लेकर हुआ विवाद

भोपाल। नजीराबाद थाना क्षेत्र के झिरनिया छापरी गांव में खेत में काम करने को लेकर हुए विवाद के चलते पति समेत सास व देवर ने महिला के साथ मारपीट कर उसे जबरन इल्लीमार दवा पिलाने का प्रयास किया। किसी तरह अपनी जान बचाकर महिला पड़ोसियों के पास मदद के लिए पहुंची। बाद में थाने जाकर आरोपी पति, सास व देवर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया। पुलिस के मुताबिक ग्राम झिरनिया छापरी निवासी कंचन गौर (32) के पति अरविंद गौर व अन्य परिजन खेती-किसानी करते हैं। विगत तीन जून की सुबह खेत में काम करने को लेकर हुए विवाद के चलते पति अरविंद, सास सेंगर बाई व देवर रवि गौर ने कंचन गौर के साथ जमकर मारपीट की और गिलास से इल्लीमार दवा पिलाने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि तीनों ने महिला को पकडड़र गिलास जबरन मुंह में लगाकर कीटनाकश पिलाने की कोशिश की। किसी तरह शोर मचाकर महिला आरोपियों के चंगुल से मुक्त होकर पड़ोसियों के पास मदद के लिए पहुंच गई। फरियादिया का कहना है कि ससुराल पक्ष के लोग उससे जबरन खेत में काम कराने का दबाव बना रहे थे। पुलिस ने अरविंद गौर, सेंगर बाई व रवि गौर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस का दावा

बीते छह महीने में महिला संबंधी अपराधों में आई कमी

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के खिलाफ अपराधों में भी हुई कमी हत्या, हत्या के प्रयास और डकैती के प्रकरणों में भी आई कमी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण के संबंध में की जा रही कार्यवाहियों के अनुकूल परिणाम परिलक्षित हुए हैं। राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (एससीआरबी) पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा दिसम्बर 2023 से 15 मई 2024 तक हुए अपराधों की समीक्षा के माध्यम से यह तथ्य प्रकाश में आया है कि इसी अवधि की पिछले वर्ष से तुलना करने पर न सिर्फ कुल आईपीसी अपराधों में कमी आई है, बल्कि विभिन्न प्रकार के गंभीर अपराध, महिलाओं के विरुद्ध अपराध तथा अनुसुचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध अपराधों में भी कमी आई है।

त्वरित की जा रही कार्रवाई: महिलाओं के खिलाफ अपराधों में जीरो टोलरेंस की नीति अपनाकर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। इसके परिणामस्वरूप जहां एक ओर गैंग रैप के प्रकरणों में 5.4 प्रतिशत की कमी आई है, वहीं महिलाओं के विरुद्ध घटित क्रूरता तथा दहेज प्रताड़ना के अपराधों में 29.6 प्रतिशत की कमी आई है। महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के कारण ही छेड़छाड़ के अपराधों के प्रकरणों में 11.1 प्रतिशत की कमी दृष्टिगत हुई है तथा इसी प्रकार महिलाओं के विरुद्ध कुल होने वाले अपराधों में 1.8 प्रतिशत की कमी आई है। संपत्ति संबंधी अपराधों की समीक्षा में पाया गया कि नकबजनी में 7.56 प्रतिशत की कमी आई है। इसी प्रकार सामान्य चोरी में 2.12 प्रतिशत की कमी परिलक्षित हुई है।

क्या बोलता है आकड़ा: पिछले छह माह में कुल 130698 आईपीसी अपराध घटित हुए। जब कि पिछले वर्ष इसी अवधि में 136650 अपराध घटित हुए हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि विगत छ-माह में अपराधों में 4.36 प्रतिशत की कमी आई है। इस संबंध में उल्लेखनीय है कि गंभीर अपराधों जैसे हत्या के प्रकरणों में 17.31 प्रतिशत, हत्या के प्रयास में 7.21 प्रतिशत, डकैती में 53.85 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है।

बैंगलोर में लूट के बाद भोपाल में फरारी काट रहा लुटेरा गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निशातपुरा पुलिस ने कर्नाटक बैंगलोर में महिला से लूट के मामले में लुटेरे को अमन कालोनी करोंद से गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना बैंगलोर पुलिस को दे दी गईड़थी। वहां से पुलिस की टीम फ्लाइट से भोपाल पहुंची और आरोपी को अपने साथ बेंगलोर ले गई। निशातपुरा पुलिस ने बताया कि सूचना मिली थी कि थाना मल्लेश्वर, जिला बैंगलोर सिटी, कर्नाटक में महिला से लूट का आरोपी सलमान उर्फ कैफी पिता सोहेल (27) गैस राहत क्वार्टर हाउसिंग बोर्ड कालोनी, करोंद में रह रहा है। उसने बैंगलोर सिटी में अपने साथी शब्बीर अन्ना के साथ मिलकर महिला से लूट कि वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों ने महिला से करीब 120 ग्राम सोने की लूट की थी। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने अमन कालोनी करोंद टीम भेजी और आरोपी के घर की घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस को देखकर सलमान उर्फ कैफी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया और थाने लेकर पहुंची। पूछताछ में आरोपी सलमान उर्फ कैफी ने अपने साथी शब्बीर अन्ना के साथ लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार लिया। निशातपुरा पुलिस ने मल्लेश्वरम पुलिस स्टेशन बैंगलोर सिटी कर्नाटक राज्य को दी। इसके बाद बैंगलोर पुलिस बल फ्लाइट से भोपाल पहुंचा अड़ैर आरोपी को अग्रिम कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गया।

मोबाइल दुकान में भीषण आग, डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

भोपाल, दोपहर मेट्रो। निशातपुरा थाना क्षेत्र के करोंद चौराहे पर स्थित एक मोबाइल दुकान में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब दो बजे भीषण आग लग गई । इसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकलों ने डेढ़ से दो घंटे में आग पर काबू पा लिया था। आग लगने से दुकान में रखे महंगे मोबाइल समेत लाखों का माल जलकर खाक हो गया। प्राथमिक तौर पर आग लगने का कारण शार्ट सर्किट पता चला है।

पुलिस की तीन अलग-अलग टीम कर रही लुटेरों की तलाश

छोला मंदिर के टिंबर मार्केट से ट्रक और 56 क्विंटल लोहे की चादर लूटने वाले बेसुराग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित टिंबर मार्केट में चार बदमाशों ने ट्रक ड्रायवर से मारपीट करते हुए उसके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद उसे झाड़ियों में फेंककर ट्रक लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने ड्रायवर की शिकायत पर अज्ञात चार लुटेरों के खिलफ मारपीट और लूटपाट का मामला दर्ज किया है। चौबीस घंटे से अधिक समय होने के बाद भी अभी तक पुलिस लुटेरों का सुराग नहीं लगा सकी है। पुलिस की अलग-अलग टीम लुटेरों की तलाश में जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार सर्जनलाल पाल (23) ग्राम बरायटा, थाना नरसिंहगड़ जिला राजगड़ का है और ट्रक चलाता है। मंगलवार की रात वह ट्रक लेकर छोला मंदिर स्थित टिंबर मार्केट आया था। सर्जनलाल के ट्रक में 56 क्विंटल लोहे की चादरे लदी हुई थी। रात करीब साढ़े दस बजे ट्रक में बैठकर वह मोबाइल आपरेट कर रहा था,

ड्राइवर को बांधकर झाड़ियों में फेंक गए थे लुटेरे, पर्स और मोबाइल भी छीना

तभी दो युवक उसके पहुंचे। एक युवक ने उसका मुंह दबा दिया और दूसरे ने गला दबाने का प्रयास किया। इसी बीच क्लीनर साइड से दो दो अन्य युवक ट्रक के कैबिन में घुस आए। चारों ने मिलकर सर्जनलाल के साथ मारपीट की और उसके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद आरोपी ट्रक लेकर निकल गए। कुछ दूरी पर जाने के बाद आरोपियों ने सर्जनलाल को झाड़ियों में फेंक दिया। आरोपियों ने उसका मोबाइल और पर्स भी छीन लिया था। आरोपी मय ट्रक समेत उससे 11 लाख 51 हजार 700 रुपए का सामान लूटकर ले गए हैं।

पर्स के अंदर 17 सौ रुपए नकद, ड्रायविंग लायसेंस और आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज रखे हुए थे। अज्ञात लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस घटना के बाद ड्रायवर ने इसकी जानकारी मोटर मालिक को दी और बुधवार दोपहर को छोला मंदिर थाने पहुंचकर लूटपाट की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मारपीट कर लूट करने का मामला दर्ज कर लिया है। बदमाशों की तलाश में इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

बाइक की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित डिपो चौराहा पर गत दिनों बाइक की टक्कर से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। 21 मई को हुए हादसे के बाद से युवक का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा था। सिर सहित शरीर में गंभीर चोट होने के कारण बुधवार रात युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। पुलिस आरोपी बाइक चालक पर मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार इस्माइल खान पिता अमन उल्ला (52) अंबेडकर नगर, थाना कमला नगर क्षेत्र में रहते थे और जवाहर चौक पर इडली दोसा की दुकान लगाते थे। इन दिनों वह जवाहर चौक पर गन्ने की चरखी चल रहे थे। गत 21 मई को डिपो चौराहा के पास सड़क पार कार करते समय उन्हें बाइक सवार ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में उन्हें गंभीर चोट आईड़थी और उनका हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा था। बुधवार रात तबीयत बिगड़ने के बाद उनकी मौत हो गई।

ट्रैक्टर से उछलकर टायर के नीचे आया ड्राइवर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोलगांव में ट्रैक्टर के टायर के नीचे दबने से ड्राइवर की मौत हो गई। हादसा तेज रफ्तार में ट्रैक्टर चलाने के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार रितिक लोधी पिता भैयालाल लोधी (20) समनापुर, मंडीदीप, जिला रायसेन में रहता था। बुधवार सुबह वह ट्रैक्टर लेकर कोलार की तरफ जा रहा था, तभी गोलगांव की नई सड़क पर वह चलते ट्रैक्टर से उछलकर सड़क पर गिर गया। उसके गिरते ही ट्रैक्टर का पहिया उसके शरीर से होता हुआ गुजर गया था।

मप्र पुलिस अकादमी में आम, बरगद, पीपल सहित रोपे 500 पौधे

भोपाल. अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अकादमी के प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों और प्रशिक्षण स्टॉफ के सदस्यों व कर्मचारियों ने बरगद, पीपल, शीशम, नीम, आम, जाम, कटहल, अनार, शहतूत के 500 पौधे रोपित किए। पौधरोपण का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के प्रत्येक प्रशिक्षु को पौधारोपण के लिए प्रेरित करना, अकादमी को हरा-भरा बनाने के साथ पर्यावरण को शुद्ध बनाना है। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के उप निदेशक मलय जैन, सहायक निदेशक श्रीमती यास्मीन जहरा, श्रृद्धा जोशी, डेनियल जोजफ, उप पुलिस अधीक्षक अमरेश बोहरे, अनिल सिंह, तिलकराज प्रधान, अमरीश पटेल, सीडीआई आरती कतिजा, अकादमी का स्टॉफ एवं उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक भी सम्मिलित हुए।

कॉल गर्ल सप्लायर आशुतोष वाजपेयी गिरफ्तार

शाहपुरा के होटल के स्क्वेयर में हुई थी 13 अप्रैल को कॉलगर्ल की हत्या

भोपाल। शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित होटल के स्क्वेयर में गत 13 अप्रैल को हरियाणा की युवती की हत्या के मामले में फरार आरोपी आशुतोष वाजपेयी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी काल गर्ल सप्लायर आशुतोष वाजपेयी की पुलिस को लंबे समय से तलाश थी। अरेरा कालोनी निवासी आशुतोष बाजपेयी ने ही युवती को होटल में कोलार निवासी ऋतुल पांडे के पास भेजा था। ऋतुल ने चार हजार रुपए आशुतोष को लडकी भेजने का पेमेंट किया था। इस बीच ऋतुल ने होटल में युवती की हत्या कर दी। पुलिस ने मामले ऋतुल पाण्डे, योगेश कुमार, सागर चौहान व इन्द्र बहादुर सिंह, कुनाल ठाकुर उर्फ करन उर्फ कुलदीप ठाकुर, तथा महक यादव को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि, आरोपी आशुतोष बाजपेयी व राजकुमार गुप्ता फरार थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022